राष्ट्रीय छात्रशक्ति

वर्ष 44 ■ अंक 02 ■ जून 2022 ■ ₹ 10 ■ पृष्ठ 40

अमृत संकल्प

20- 21 मई को दिल्ली में आयोजित एग्रीविजन के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मंचासीन केन्द्रीय पशुपालन डेयरी एवं मतस्य राज्यमंत्री डॉ. संजीव बाल्यान, कृ. अ. केन्द्र के महानिदेशक त्रिलोचन महापात्रा, उपनिदेशक आर.सी अग्रवाल, अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीनिवास, अभाविप राष्ट्रीय मंत्री गजेन्द्र तोमर, एग्रीविजन संयोजक शुभम पटेल व अन्य एवं मंच संचालित करते एग्रीविजन सलाहकार परिषद सदस्य डॉ. रघुराज किशोर तिवारी

पुणे : राष्ट्रीय कला मंच द्वारा आयोजित प्रतिभा संगम में प्रस्तुति देते कलाकार

राष्ट्रीय
छात्रशक्ति
शिक्षा–क्षेत्र की प्रतिनिधि–पत्रिका

वर्ष 44, अंक 02
जून, 2022

संपादक
आशुतोष भटनागर
संपादक–मण्डल :
संजीव कुमार सिन्हा
अवनीश सिंह
अभिषेक रंजन
अजीत कुमार सिंह

संपादकीय पत्राचार :
राष्ट्रीय छात्रशक्ति
26, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,
नयी दिल्ली - 110002.
फोन : 011-23216298
www.chhatrashakti.in
rashtriyachhatrashakti@gmail.com
www.facebook.com/Rchhatrashakti
www.twitter.com/Rchhatrashakti

स्वामी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **राजकुमार शर्मा** द्वारा 26, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, आई.टी.ओ. के निकट, नयी दिल्ली - 110002 से प्रकाशित एवं ओशियन ट्रेडिंग कं., 132 एफ. आई. ई., पटपड़गंज इण्डस्ट्रियल एरिया, नयी दिल्ली-110092 से मुद्रीत।

इस अंक में

05 नए क्षितिज की ओर अभाविप
अमृत महोत्सव पर नए संकल्प

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नए क्षितिज की ओर पहुंच रही है। इसे सुखद संयोग ही कहा जाएगा कि एक ओर जहां देश अपनी स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है ...

संपादकीय	04
राष्ट्र व समाज हित में विद्यार्थी परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण : जयराम ठाकुर	14
नई शिक्षा नीति भारत के 'सर्वांगीण विकास' के प्रयासों को देगी दिशा : सहस्त्रबुद्धे	16
राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के पूर्व 25 मई को हुआ केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक का आयोजन	17
INDIAN MUSIC IS THE MOTHER OF ALL MUSIC IN THE WORLD : GODKHINDI	18
बेगुसराय : 'मिशन साहसी' के माध्यम से डेढ़ सौ छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर	20
REGISTRATION FOR THE TREE PLANTATION CAMPAIGN FROM ABVP BEGINS ON WORLD ENVIRONMENT DAY	21
लखनऊ : दिव्यांग जनों के लिए मेडिविजन ने लगाए नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर	22
सीयूईटी के लिए पेड कोचिंग शुरू करने के खिलाफ अभाविप ने किया विरोध प्रदर्शन	23
जेएनयू में आयोजित अभाविप छात्रा कार्यशाला में वर्तमान परिदृश्य, महिला विमर्श पर मंथन	24
NEW SECURITY CONCERNS IN KASHMIR : K N PANDITA	25
इस्लाम और कम्यूनिज़्म: साझेदारियों की बानगी	29
असम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अभाविप कार्यकर्ताओं ने पहुंचाए भोजन, दवाई समेत जरूरी सामग्री	27
विद्यार्थियों को सही दिशा देने वाला छात्र संगठन है परिषद: सुनील आंबेकर	28
तेजस्विनी के दोषियों को सजा नहीं मिली तो व्यापक आंदोलन करेगी परिषद : एन. हरि कृष्णा	30
शिक्षा क्षेत्र में राज्य सरकारों के बढ़ते हस्तक्षेप, वर्तमान परिदृश्य, शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं स्वावलंबी भारत और युवा पर केंद्रित अभाविप ने पारित किये चार प्रस्ताव	31
कोलकाता : बंगाल एसएससी घोटाले के खिलाफ सड़क पर उतरे अभाविप कार्यकर्ता	34
कोई भी देश अपनी प्रधानता की अनदेखी करने पर अपेक्षित विकास नहीं कर सकता : नरेन्द्र सिंह तोमर	36
ABVP LAUNCHES FREE CLASSES BY SCHOLARS FOR DU ENTRANCE ASPIRANTS	38
'प्रतिभा संगम' के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को निखार रही है अभाविप : संगीता बर्वे	38

वैधानिक सूचना : राष्ट्रीय छात्रशक्ति में प्रकाशित लेख एवं विचार तथा रचनाओं में व्यक्त दृष्टिकोण संबंधित लेखकों के हैं। संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा।

संपादकीय

देश भर में फिर कोलाहल है। सड़कों पर अराजकता छाई हुई है और तोड़-फोड़, आगजनी और हिंसा का तांडव जारी है। इस बार बहाना नूपुर शर्मा का बयान है जिसने अपने बयान के लिये सार्वजनिक माफी मांग ली है और भाजपा ने उन्हें पद से निलंबित भी कर दिया है।

नूपुर शर्मा के बयान पर समुदाय विशेष की यह तात्कालिक उत्तेजना नहीं है। बयान के कई दिन बाद जुमे की नमाज के उपरान्त सड़कों पर उतरी भीड़ ने जिस प्रकार हिंसा का प्रदर्शन किया उससे जाहिर है कि सब कुछ योजनाबद्ध था। यह आश्चर्य है कि बयान ओवैसी दें या नूपुर, आक्रोशित एक ही समुदाय विशेष होता है, प्रतिक्रिया एक ही प्रकार की होती है, बहुसंख्यक समाज हमेशा निशाने पर होता है। परिणामस्वरूप, बहुसंख्यक समाज उसका वैसा प्रत्युत्तर तो नहीं देता किन्तु मनों में गुबार उसके भी जमाता है। समुदायों के मध्य बढ़ती दूरी और अविश्वास हिंसा और अराजकता की फसल काटने वालों के लिये अनुकूल स्थिति है।

जिस तरह जमात-उलेमा-ए-हिन्द ने विभिन्न शहरों में हुए हिंसक प्रदर्शनों के पीछे देश का माहौल खराब करने के लिये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र का उल्लेख करते हुए मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी व महमूद मदनी तथा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और पीएफआई जैसे संगठनों को कठघरे में खड़ा किया है उससे स्पष्ट है कि मुस्लिम समाज में भी इस प्रकार की घटनाओं को लेकर विमर्श शुरू हुआ है और वे साम्प्रदायिकता के दशकों पुराने बोझ से मुक्ति पाने को आतुर हैं। यह एक स्वागत योग्य कदम है।

अब जबकि इसकी तकनीकी रूप से पुष्टि हो गयी है कि इस विवाद को भड़काने के लिये सात हजार से अधिक पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट का उपयोग किया गया, जरूरी है कि इसे हिन्दू-मुस्लिम विवाद के स्थान पर पाकिस्तान द्वारा भारत की संप्रभुता को चोट पहुंचाने की कोशिश के रूप में देखा जाय। पाकिस्तान के इशारे पर उसके हस्तक बन कर भारत में काम करने वाले अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी और उनके सक्रिय होने से पहले निषेधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

देश के सामाजिक-राजनैतिक संगठन, जिनके सत्तारूढ़ राजनैतिक दल से वैचारिक मतभेद हैं उनकी चुप्पी भी लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठाराघात है। सरकार को असुविधाजनक स्थिति का सामना करना पड़े इसके लिये यदि वे विदेशी धरती से चलाये जा रहे षड्यंत्रों पर मौन साध जाते हैं तो इसकी कीमत सभी को चुकानी होगी।

यह घटनाक्रम वैसा ही मोड़ लेता दिख रहा है जैसे 2019 के चुनाव के पहले था। क्या यह 2024 के चुनावों की तैयारी है। क्या पिछले चुनावों की असफलता को देखते हुए इस बार तैयारी जल्दी शुरू की गयी है। अथवा यह उस अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन का हिस्सा है जिसकी संभावना तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान की नयी रणनीति के रूप में जतायी जा रही थी। तथ्य कुछ भी हो, भारत को इन चुनौतियों का एक राष्ट्र के रूप में सामना करना होगा जिसके लिये सभी समुदायों को विश्वास में लेना और सभी नागरिकों का सक्रिय सहभाग आवश्यक है।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में संपन्न अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ अन्य सभी महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विमर्श हुआ जिसका विवरण इस अंक में समाहित है।

आपका
संपादक

नए क्षितिज की ओर अभाविप

अमृत महोत्सव पर नए संकल्प

| अजीत कुमार सिंह |

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नए क्षितिज की ओर पहुंच रही है। इसे सुखद संयोग ही कहा जाएगा कि एक ओर जहां देश भर में स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है वहीं अभाविप भी अपने स्थापना के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। 75 वर्षों की इस यात्रा में अभाविप ने कई कीर्तिमान हासिल किये हैं। विद्यार्थी परिषद शैक्षिक परिसर से आगे निकलकर समाज जीवन के प्रत्येक हिस्से में पहुंच चुकी है। स्वाधीनता के पश्चात युवाओं की ऊर्जा को नियोजित कर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण हेतु संकल्पित रहने वाली विद्यार्थी परिषद ने सभी दशकों में देश को नई दिशा दी है। विद्यार्थी परिषद के नए क्षितिज की झलक शिमला में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में साफ दिखाई दी। तीन दिवसीय कार्यकारी परिषद बैठक में विद्यार्थी परिषद ने एक ओर जहां अपने पिछले कार्यों की समीक्षा की वहीं दूसरी ओर समसामयिक विषयों पर चिंतन - मनन करते हुए अपने आगामी दिशा भी तय की। अभाविप ने इस दौरान अपने स्थापना के अमृत महोत्सव पर नए संकल्प भी लिए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तीन दिवसीय कार्यकारी बैठक का आयोजन 27 -29 मई 2022 को शिमला के विकास नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया था। यूं तो परिषद की हर कार्यकारी बैठक महत्वपूर्ण होती है परंतु इस बार की कार्यकारी परिषद बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण थी, क्योंकि अभाविप इस वर्ष अपने 75 वर्ष में प्रवेश कर रही है। बैठक में अभाविप के 75 वर्ष, स्वावलंबी भारत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, राज्य सरकारों का विश्वविद्यालयों में बढ़ता हस्तक्षेप एवं पेपर लीक जैसे मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान देश भर के शैक्षिक परिसरों में आ रही समस्याओं के निवारण हेतु योजना बनाने पर विचार विमर्श किया गया। अभाविप अध्यक्ष डॉ. छगन भाई पटेल, महामंत्री निधि त्रिपाठी एवं संगठन मंत्री आशीष चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यकारी परिषद बैठक का शुभारंभ किया।

अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि असम, काशी विश्वविद्यालय, केरल में छात्रसंघ चुनाव में विद्यार्थी परिषद की प्रचंड जीत, राष्ट्रीयता के भाव की बढ़ती प्रासंगिकता को दर्शाती है। पेपर लीक की घटनाओं को लेकर विद्यार्थी परिषद संघर्ष की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप शिक्षा जगत के लिए घातक है। हिम तंरगोत्स सोलन, मंडी जिला में मिशन साहसी आदि रचनात्मक कार्यक्रम हिमाचल में आयोजित किए हैं। अभाविप के इतिहास

कोरोना काल में किए सामाजिक कार्यों का सजीव दस्तावेज है सम-वेदना

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक के दूसरे दिन सम-वेदना पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक में अभाविप कार्यकर्ताओं के कोरोनाकाल में चलाए गए सेवा कार्य अभियानों के दौरान के संस्मरणों का संकलन किया गया है। अभाविप महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि सम-वेदना पुस्तक कोरोना काल में किए अभाविप के सामाजिक कार्यों का सजीव दस्तावेज है। दूसरे दिन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के मुखपत्र छात्रशक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद विशेषांक के साथ - साथ ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वेक्षण विवरणिका का विमोचन भी किया गया।

परिषद के बंगाल कार्यकर्ताओं की ओर से चलाए गए ज्ञात-अज्ञात हुतात्मा सर्वेक्षण के अंतर्गत बांग्ला भाषा में स्वतंत्रता संग्राम पर पुस्तक आहुतिर महतप्राण का विमोचन भी किया गया। बैठक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से चलाए गए एक गांव, एक तिरंगा अभियान की समीक्षा की गई। दूसरे दिन विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा हुई। आने वाले समय में प्रस्तावित कार्यक्रमों पर चर्चा के बाद आगामी लक्ष्यों का निर्धारण किया गया।

पर आयी पुस्तक की प्री बुकिंग ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 1.27 लाख ध्येय यात्रा पुस्तक का अंतरिम पंजीकरण करवाया है। लावण्या के न्याय की लड़ाई लड़ते हुए अभाविप देश के अल्पसंख्य शैक्षिक सस्थानों में 'एंटी-कन्वर्शन हेल्पलाइन' लागू करने हेतु प्रयासरत रहेगी। यह कार्यकारी परिषद् देश भर के शैक्षिक विषयों पर गहन चर्चा करेग एवं समाधानों को खोजने का काम करेगी। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर राष्ट्र पुनः निर्माण के कार्य में योगदान दे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो छग्गन भाई पटेल ने कहा कि शिमला में होने वाली यह राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक ऐतिहासिक है। यह वो स्थान है जहां शिमला करार हुआ था। हिमाचल प्रदेश में अभाविप का कार्य मजबूत करने में शिमला की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पश्चिम बंगाल में जो स्थिति है वो लोकतंत्र के साथ धोखा है। शिक्षा क्षेत्र में राजनैतिक दबाव न हो ऐसी एक शैक्षिक परिवार की कल्पना अभाविप करती है। प्रवेश – परीक्षा और परिणाम के सुधार के लिए अभाविप शुरू से ही संघर्ष कर रही है। अनेक

एक करोड़ वृक्षारोपण करेगी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने एक बार पुनः सिद्ध किया है कि परिषद केवल शैक्षिक परिसर की समस्याओं को उठाने एवं समाधान के लिए ही कार्य नहीं करती बल्कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी वो कृतसंकल्पित है। शिमला में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम विकासार्थ विद्यार्थी (स्टूडेंट्स फॉर डेवलमेंट) के माध्यम से एक करोड़ वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया है। इसके निमित्त, वृक्ष मित्र बनाने की प्रक्रिया भी 5 जून से आरम्भ हो जाएगी। परिषद कार्यकर्ता स्वयं 10 वृक्ष लगायेंगे एवं दस या उससे अधिक वृक्ष मित्र बनायेंगे। वृक्ष मित्र 10-10 वृक्षारोपण करेंगें। साथ ही वे भी 10 वृक्ष मित्र बनायेंगे। बता दें कि अभाविप अपने आयाम विकासार्थ विद्यार्थी के माध्यम से लगातार पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्य कर रही है।

मेडिकल एवं महाविद्यालयों में छात्रों के आत्महत्या के मामले सामने आ रहे हैं। इसलिए शिक्षण संस्थानों में आनंदमयी - सार्थक जीवन की ओर प्रयास होना चाहिए जिसको लेकर अभाविप भी देश भर में प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर अभाविप ने बहुत सुझाव दिये है और अब उसके क्रियान्वयन हेतु अभाविप प्रयासरत है। मातृभाषा में शिक्षा के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास आता है, इसीलिए यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति आवश्यक है।

अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत ने कहा कि विद्यार्थी परिषद अमृत महोत्सव मनाने वाली है। उन्होंने कहा कि हमारे तीन राष्ट्रीय कार्यक्रम 9 जुलाई राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस, 6 दिसंबर समरसता दिवस एवं 12 जनवरी युवा दिवस है। 19 नवंबर को परिषद स्त्री शक्ति दिवस के रूप में मनाती है। साल भर इकाई की गतिशीलता बनी रहती है। हम विद्यार्थी परिषद के 75 वें वर्ष को मनाने वाले हैं। ऐसे में हमें कार्यक्रम सहभागिता, कार्यक्रम गुणवत्ता और कार्यक्रम योजना को बढ़ाने की जरूरत है। अभाविप 75 वर्ष पर परिषद कार्य विस्तार पर जोर देते हुए उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से सुझाव मांगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय छात्र दिवस, समरसता दिवस, युवा दिवस, स्त्री शक्ति दिवस कार्यक्रम को बढ़ाने एवं कार्य विस्तार पर अपने – अपने सुझाव दिए। इस दौरान परिषद कार्यों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उद्देश्य से छात्रों एवं कार्यकर्ताओं को परिचित करवाना होगा। विद्यार्थी दिवस के दिन परिषद के स्थापना, उद्देश्य, विचार को साहित्य, विवरणिका इत्यादि से सभी को परिचित करवाना जरूरी है। इसी प्रकार उन्होंने स्त्री शक्ति दिवस, समरसता दिवस, जनजातीय गौरव दिवस एवं युवा दिवस की महत्ता को बताया। सामाजिक समरसता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता हमारी प्रतिबद्धता है। अभाविप 75 एवं आगामी भूमिका के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह संगठनात्मक वर्ष होगा। इस वर्ष हम वृहद कार्यक्रम नहीं करेंगे, बल्कि जो कार्यक्रम हैं उसे प्रत्येक इकाई स्तर पर विकेन्द्रित कार्यक्रम करना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विद्यार्थी परिषद ने एक करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य लिया है। 'विकासार्थ विद्यार्थी' के माध्यम से इस हेतु पांच जून से पंजीयन शुरू होगा। परिषद कार्यकर्ता स्वयं 10 वृक्ष लगायेंगे एवं 10 या उससे अधिक वृक्ष मित्र बनायेंगे। ये वृक्ष मित्र 10-10 वृक्ष का रोपण करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें केवल वृक्ष मित्र पंजीयन ही नहीं करना है बल्कि पौधे लगाने वालों का संगठन खड़ा करना है।

वहीं स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर बोलते हुए अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीनिवास ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने स्वाधीनता के 75 वर्ष पर 'एक गांव – एक तिरंगा' अभियान की शुरूआत की थी। 'एक गांव – एक तिरंगा' अभियान के तहत अभाविप कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता दिवस पर देश के एक लाख से अधिक गावों में ध्वजारोहण किया था। 'एक गांव – एक तिरंगा' अभियान के दौरान घटे एक घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के सुदूर

पासवान टोला में जब परिषद कार्यकर्ता तिरंगा फहराने गये तो ग्रामीणों की आंखों में अजीब सी चमक दिख रही थी। उपस्थित ग्रामीणों ने कार्यकर्ताओं से कहा आजादी के इतने साल बाद पहली बार कोई हमारे गांव में तिरंगा फहराने आया है, यह देखकर बहुत खुशी हो रही है। आगे सवाल करते हुए एक बुजूर्ग ने कहा अगले साल भी आपलोग तिरंगा फहराने आएंगे न बाबू! उन्होंने कहा कि बुजूर्ग का उक्त सवाल अभाविप के प्रति समाज की एकात्मकता को दर्शाती है। हमें लगता है कि तिरंगा यात्रा को अगले दो वर्षों तक चलाना चाहिए। इस अभियान में अलग प्रकार की अनुभूति कार्यकर्ताओं को मिली है। जिस कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद तिंरगा उठाने वाला कोई नहीं रहेगा, जैसी बातें की गई थी उसी कश्मीर में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने उस महिला के घर के सामने से जिसने उक्त बातें की थी, विशाल तिरंगा यात्रा निकाले। जम्मू – कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक एवं अटक से लेकर कटक तक के सुदूर गांवों में जाकर परिषद ने तिरंगा फहराया। इसी प्रकार अमृत महोत्सव के दौरान ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रताओं सेनानियों के सर्वेक्षण का कार्य परिषद ने अपने हाथों में लिया। सर्वेक्षण के दौरान कार्यकर्ता गांव – गांव जाकर स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी एकत्रित की, जो बहुत जल्द पुस्तक के रूप में आने वाली है। कुछ राज्यों की आ चुकी है। उन्होंने कहा कि नागरिक अभिनंदन समारोह में हिमाचल प्रदेश के ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया है।

अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने प्रांतशः संगठनतात्मक कार्य, गतिविधि, सदस्यता, आंदोलन, कार्यक्रम इत्यादि की समीक्षा की। उन्होंने प्रांतवार आंकड़े भी प्रस्तुत किये। उन्होंने कहा हमें अपने कार्यों को और आगे ले जाने की जरूरत हैं। कोई भी ऐसा परिसर न हो जहां पर परिषद का कार्य और इकाई न हो। उन्होंने कहा कि वर्ष भर विद्यार्थी परिषद के कार्यों एवं कार्यक्रमों की श्रृंखला चलते रहती है। बैठक के पहले दिन ही कार्यात्मक विषय पर चर्चा हुई है। अभ्यास वर्ग के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बड़े प्रांतो को दो वर्ग करना चाहिए। कार्यकर्ताओं की संख्या एक वर्ग में 300 से अधिक नहीं होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थी परिषद के संपूर्ण स्वरूप एवं आयामों के बारे में भी चर्चा की। साथ ही विद्यार्थी परिषद के कार्य एवं उद्देश्य से सभी को परिचित करवाया।

अभाविप के विविध आयाम, कार्य, गतिविधि के अनुवर्तन एवं आगामी योजना पर चर्चा करते हुए अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री बालकृष्ण ने कहा विद्यार्थी परिषद को संपूर्ण क्षेत्र में जाने की जरूरत है। विकासार्थ विद्यार्थी, सेवार्थ विद्यार्थी, राष्ट्रीय कला मंच, मेडिविजन इत्यादि विभिन्न आयामों के माध्यम से हमें प्रत्येक क्षेत्र में जाना चाहिए। छात्रों के रूचि के अनुरूप कार्य देने के लिए हमारे पास विविध आयाम हैं। 25

जयपुर में होगा विद्यार्थी परिषद का 68 वां राष्ट्रीय अधिवेशन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में विभिन्न शैक्षिक एवं समसामयिक विषयों पर मंथन हुआ। तीन दिन तक चले इस कार्यकारी परिषद में विद्यार्थी परिषद के वर्ष भर के कार्यों की समीक्षा एवं आगामी दिशा पर चर्चा की गई। कार्यकारी परिषद का आयोजन शिमला में किया गया था, जिसमें देश भर से साढ़े चार सौ से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के अंतिम दिन आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की गई, बैठक में निर्णय लिया गया कि अभाविप का 68 वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन जयपुर में किया जायेगा।

बता दें कि अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन लंबे समय बाद राजस्थान में होगा। लगभग 18 साल बाद यानी 2004 के बाद राजस्थान में इस वर्ष नवंबर माह की 24 तारीख से लेकर 27 तारीख तक होना तय हुआ है। इस अधिवेशन मे देश भर के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आयाम, गतिविधि, कार्य के माध्यम से हम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपना कार्य खड़ा कर सकते हैं। इसके लिए 'जहां कम - वहां हम' वाली भावना से हमें कार्य करना होगा। जहां कम है वहां हमें बढ़ना पड़ेगा। सेवा हमारा धर्म है सेवार्थ विद्यार्थी के माध्यम से छात्रों को सेवा के लिए प्रेरित करना होगा। पर्यावरण की रक्षा के लिए विकासार्थ विद्यार्थी के माध्यम से पर्यावरण में रूचि रखने वाले छात्रों को जोड़ सकते हैं। इसी प्रकार जिन्हें कला के क्षेत्र में रूचि है उन्हें कला मंच के माध्यम से जोड़ सकते हैं। कृषि के लिए एग्रीविजन, फार्मा के लिए फार्माविजन, चिकित्सा के छात्रों को मेडिविजन से जोड़ सकते हैं। समाज के प्रत्येक क्षेत्र में परिषद कार्य खड़ा करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विशेष आमंत्रित

दो लाख गांवों में तिरंगा फहरायेगी विद्यार्थी परिषद

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने देश भर में अपने संगठन को और ज्यादा मजबूत करने को लेकर एक खास रणनीति बनाई है। इस वर्ष स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के खास अवसर पर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता देश के दो लाख गांवों में जाकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे। पिछले वर्ष, स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अभाविप के कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता दिवस पर देश के एक लाख से अधिक गावों में ध्वजारोहण किया था। संगठन को मजबूत बनाने की कवायद के तहत अभाविप सितंबर माह में सेल्फी विद कैंपस यूनिट अभियान भी आरम्भ करने जा रहा है। अभाविप के मुखपत्र , छात्रशक्ति के पंजीकरण को भी बढ़ाकर एक लाख करने का लक्ष्य रखा गया है। संगठन ने देश भर के रक्तदान दाताओं की एक सूची बनाने का भी फैसला किया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपनी अगली कार्यसमिति की बैठक 6-7 अगस्त को ओडिशा में और राष्ट्रीय अधिवेशन 24-27 नवंबर को जयपुर में करने का फैसला भी किया है। गत वर्ष 15 अगस्त 2021 को अभाविप द्वारा आयोजित एक 'गांव – एक तिरंगा' अभियान में अंडमान निकोबार द्वीप से लेकर मणिपुर के मोइरंग तक और जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लेकर मलकानगिरी ओडिशा के सुदूर नवरंगपुर तक, लाखों नागरिकों ने 75वें भारतीय स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में भाग लिया था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 'एक गांव - एक तिरंगा' अभियान के उत्सव में देश भर में एक लाख से अधिक स्थानों पर तिरंगा ध्वज फहराया गया था। इस दौरान अभाविप के कार्यकर्ताओं ने देश के प्रत्येक जिले में ध्वजारोहण कर स्वाधीनता के इस अमृत उत्सव को मनाने के साथ-साथ देश के गुमनाम नायकों की कहानियां लोगों को बताते हुए स्वाधीनता के गुमनाम नायकों को याद किया। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने इस महाअभियान में देश के विभिन्न स्थलों पर सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को फहराया वहीं सूर्यास्त के पूर्व ध्वज के अवतरण को सुनिश्चित किया। अभाविप ने इस महाभियान के अंतर्गत लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तथा अटक से लेकर कटक तक ध्वजारोहण किया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही थी।

सितंबर में शुरू होगा 'सेल्फी विद कैंपस' अभियान

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बहुचर्चित 'सेल्फी विद कैंपस' अभियान की शुरूआत सितंबर माह में की जायेगी, इस अभियान के माध्यम से परिषद कार्यकर्ती शैक्षिक परिसर में जाकर छात्रों से संवाद स्थापित करेंगे। साथ ही, परिसर की समस्याओं को सूचीबद्ध कर उसके समाधान की दिशा में कार्य करेंगें। इस अभियान की घोषणा शिमला में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में की गई। 'सेल्फी विद कैंपस अभियान' विद्यार्थी परिषद की लोकप्रिय अभियानों में से एक है। कोरोना के कारण यह अभियान पिछले दो वर्षों से बंद है। समान्य परिस्थिति होने के बाद इस वर्ष पुनः सितंबर महीने से इस अभियान की शुरूआत की जायेगी।

'सेल्फी विद कैंपस' अभियान का उद्देश्य संगठन की मजबूती और सदस्यों में बढ़ोतरी करना है। इस अभियान के तहत परिषद कार्यकर्ता विभिन्न शैक्षिक परिसरों में जाते हैं, वहां के छात्रों के साथ संवाद स्थापित करते हैं, परिसर में सेल्फी लेते हैं। तदुपरांत उस परिसर में विद्यार्थी परिषद की इकाई गठित की जाती है। इकाइयां बनाकर इकाई अध्यक्ष और सभी आयामों के दायित्व भी उन इकाइयों से जुड़े नए कार्यकर्ताओं को दिए जाते हैं, जिसमें राष्ट्रीय कला मंच, विकासार्थ विद्यार्थी, सेवार्थ विद्यार्थी, एग्रीविजन, मेडीविजन इत्यादि शामिल है।

सदस्य मिलिंद मराठे ने अभाविप के वैचारिक विमर्श से सभी को परिचित करवाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना समस्त भारत के छात्रों एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि 2020 के तिरूचिरापल्ली के विचार बैठक में सर्वस्पर्शी, समावेशी, आनंदमयी सार्थक छात्र जीवन पर चर्चा की गई, जिसके क्रियान्वयन के लिए हम लगातर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि परिषद किसी का विरोधी नहीं है बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' भावना के साथ कार्य करने वाला छात्र संगठन है। अभाविप सभी छात्रों का संगठन है। प्रा. मराठे ने कहा कि मैं भारतीय और सभी मेरे अपने हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 75 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। ऐसे में परिषद की जिम्मेवारी भी बढ़ी है। परिषद कार्यों को प्रत्येक परिसर को ले जाने की जरूरत है।

कार्यकारी परिषद में कुल 14 सत्र आयोजित किए गए। बैठक के पहले और दूसरे दिन पांच – पांच सत्र का आयोजन किया गया एवं बैठक के अंतिम दिन यानी 29 मई को चार सत्र आयोजित किए गए। पहला सत्र प्रास्ताविक एवं उद्घाटन का रहा। पहले दिन के सत्रों में अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीनिवास ने तीसरे सत्र के दौरान अखिल भारतीय कार्यक्रम एवं नैमित्तिक कार्यक्रम पर चर्चा की। पांचवे सत्र में अभाविप सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आंकात ने अभाविप 75 वर्ष पर चर्चा की। बैठक के दूसरे दिन कार्यालय, कोष, कार्यक्रमों इत्यादि पर चर्चा की गई। इस दौरान कार्यालय मंत्री सुमीत पांडेय ने पिछले कार्यकारी परिषद के बिंदू भी रखे, साथ ही वर्ष भर के वृत्त भी प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान आयामशः जानकारी भी प्रस्तुत किए गए। बैठक के दूसरे दिन विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा हुई तथा संगठन द्वारा आने वाले समय में प्रस्तावित कार्यक्रमों पर चर्चा के उपरांत आगामी लक्ष्यों का निर्धारण किया गया। इस दौरान कोरोना के दौरान किए गए सेवा कार्य पर आधारित 'सम-वेदना' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। साथ ही, अभाविप के मुखपत्र छात्रशक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद विशेषांक का विमोचन भी किया गया। 'शोध' आयाम द्वारा स्वाधीनता के अमृत महोत्सव में आयोजित ज्ञात-अज्ञात हुतात्मा सर्वेक्षण की विवरणिका का विमोचन भी किया गया। अभाविप बंगाल के कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए गए ज्ञात अज्ञात हुतात्मा सर्वेक्षण के अंतर्गत बांग्ला भाषा में स्वतंत्रता संग्राम पर पुस्तक 'आहुतिर महतप्राण' का विमोचन भी किया गया। की। साथ ही एक 'गांव – एक तिरंगा' अभियान से साथ-साथ प्रातंशः

अभाविप 75 वर्ष पर निकाले जाएंगे 1500 नए विस्तारक

अभाविप अपने स्थापना का इस वर्ष यानी 2022 में 75 वर्ष पूरा कर रही है। विद्यार्थी परिषद् अपने 75 वर्ष पूर्ण होने पर देश भर में ऐसे अभियान चलाएगी जिससे छात्रों में राष्ट्र भक्ति की भावना और मजबूत होगी। विद्यार्थी परिषद का लक्ष्य है कि प्रत्येक परिसर में पहुंचे, संगठन को गांव स्तर तक लेकर जाएं। प्रत्येक छात्र-छात्रा संगठन से जुड़े। अभाविप की सदस्यता को एक करोड़ तक पहुंचाएं। कार्यकारी परिषद में बताया गया कि विद्यार्थी परिषद में संगठन विस्तार के लिए इस वर्ष पूरे देश भर में 1500 नए पूर्णकालिक विस्तारक निकाले जाएंगे, जो विद्यार्थी परिषद के कार्यों को तीन गुणा बढ़ाएंगे। प्रत्येक विद्यालय – महाविद्यालय में परिषद की इकाई गठित की जाएगी।

अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन के तहत 500 से अधिक छात्र- छात्राएं जाएंगे एकात्म यात्रा पर

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन (SEIL) यात्रा के बारे में बताते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री नीरव घेलानी ने कहा कि कोरोना के कारण पिछले दो – तीन सालों से सील यात्रा का आयोजन नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में सील संगठन कार्य का आधार है। पूर्व में प्रत्येक वर्ष सील के तहत पूर्वोत्तर के छात्र देश भर में एकात्मता यात्रा पर जाते थें एवं शेष भारत के छात्र-छात्रा भी पूर्वोत्तर भ्रमण पर आते थे। कोरोना के बाद इस वर्ष पुनः सील यात्रा निकालने की योजना बनी है। सील यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष 500 से अधिक पूर्वोत्तर के विद्यार्थी देश भर में एकात्म यात्रा पर जाएंगे। सील प्रतिभागी 16 समूह में 35 प्रांत जाएंगे। इस दौरान वे लोग औद्योगिक, ऐतिहासिक, शैक्षिक इत्यादि परिसर का भ्रमण करेगें। साथ ही शेष भारत के 75 कार्यकर्ता पूर्वोत्तर आयेंगे और पूर्वोत्तर की संस्कृति-परंपरा खान-पान इत्यादि से परिचित होंगे। हालांकि अभी सील यात्रा की तिथि निर्धारित नहीं हुई है। संभावना है कि सील यात्रा का आयोजन दिसंबर – जनवरी में हो।

बता दें कि पूर्वोत्तर भारत को शेष भारत के साथ एकात्म स्थापित करने के उद्देश्य से अभाविप के द्वारा वर्ष 1966 से सील यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा के तहत पूर्वोत्तर के छात्र देश भर में जाते हैं एवं किसी होटल में ठहरने के बजाय स्थानीय परिवार में ठहरते हैं एवं वहां की संस्कृति – परंपरा, खान – पान, रहन – सहन, भाषा इत्यादि से परिचित होते हैं। लगभग एक सप्ताह से अधिक समय तक छात्र – छात्राएं उस परिवार के साथ रहते हैं जिस कारण आत्मीय संबंध स्थापित हो जाता है। इसी प्रकार शेष भारत के छात्र पूर्वोत्तर भारत में जाते हैं और वहां के स्थानीय परिवार के यहां ठहरते हैं एवं वहां की संस्कृति – परंपरा, रहन –सहन, खान – पान इत्यादि से परिचित होते हैं। सील यात्रा के कारण पूर्वोत्तर एवं शेष भारत के छात्र – छात्राओं के बीच अटूट संबंध स्थापित हुए हैं।

शोध आयाम द्वारा स्वाधीनता के अमृत महोत्सव में आयोजित ज्ञात - अज्ञात स्वतंत्रता सेनानी सर्वेक्षण विवरणिका का हुआ विमोचन

अभाविप के 'शोध' आयाम एवं स्वाधीनता के अमृत महोत्सव में शोध द्वारा आयोजित ज्ञात अज्ञात हुतात्मा सर्वेक्षण की विवरणिका का विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ छगन भाई पटेल, राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी, शोध के अ.भा. प्रमुख डॉ आलोक पांडेय द्वारा किया गया। विवरणिका में देश के विभिन्न प्रांतो में शोध द्वारा चलाये गये विशेष प्रशिक्षण(इंटर्नशिप) अभियान के अंतर्गत 1500 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिवार-जनों के बीच गये शोध के प्रशिक्षु कार्यकर्ता के बारे में बताया गया है। साथ ही इस विवरणिका में शोध आयाम द्वारा किये गये विभिन्न प्रशिक्षण, कार्यक्रम एवं सर्वेक्षण की तस्वीरों को दर्शाया गया है।

कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दूसरे दिन शनिवार को प्रथम सत्र में अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने संगठनात्मक विषय पर प्रांतशः चर्चा की। इस दौरान उन्होंने वर्ष भर के संगठन कार्यों की लेखा – जोखा से कार्यकर्ताओं को परिचित करवाया। दूसरे सत्र में भी राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। बैठक के अंतिम दिन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने स्वावलंबी भारत और युवाओं की भूमिका विषय पर भाषण दिए। इस दौरान उन्होंने उक्त विषय पर कार्यकर्ताओं के जिज्ञासा का भी समाधान किया। राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक में चार प्रस्ताव जिनके शीर्षक क्रमशः 'समान्य शिक्षा में अकर्मण्य राज्य सरकारें वि. वि. प्रशासन में अवांछनीय हस्तक्षेप करें बंद', 'वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य', 'छात्र केन्द्रित एवं भविष्योन्मुखी राष्ट्रीय शिक्षा नीति', 'स्वावलंबी भारत बनाने की ओर अग्रसर हो युवा',को पारित किया गया। चार प्रस्ताव के अलावे अभाविप ने इस बैठक में 'अभाविप 75 वर्ष पर युवाओं से आह्वान' किया है। इन प्रस्तावों को पारित करने से पूर्व प्रतिनिधियों के बीच इस पर विस्तृत चर्चा की गई। अंतर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन (सील) प्रकल्प को कोरोनाकाल के अंतराल उपरांत पुनः शुरू करने पर चर्चा हुई। ध्यातव्य हो कि इस प्रकल्प के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों को भारत के विभिन्न हिस्सों का दौरा करवाकर उन्हें भारत की विविधता से परिचित कराया जाता है। बैठक में देश भर के साढ़े चार सौ से अधिक प्रतिनिधियों की सहभागिता थी । बता दें कि अभाविप 75 वर्ष पर एक करोड़ सदस्यता का लक्ष्य लिया है। साथ ही अभाविप 1500 नये विस्तारक निकालेगी। अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि अभाविप की यह महत्वपूर्ण बैठक अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है। विविध विषयों पर देश भर से आए प्रतिनिधियों के विचार संगठनात्मक गतिविधियों को दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इस बैठक में हमने अभाविप के 75वे वर्ष के लिए जिन लक्ष्यों को निर्धारित किया है, उसको पूर्ण करने की दिशा में हम तेजी से प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के अंतिम दिन अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री श्रीनिवास विद्यार्थी परिषद के सभी दायित्वों से मुक्त हो गए, अब वे किसान संघ का काम देखेंगें। वहीं कई संगठन मंत्रियों ने व्यक्तिगत जीवन में वापसी की तो कईयों के दायित्व एवं केन्द्र परिवर्तन किये गये। प्रस्तुत है प्रमुख घोषणाएं -

विद्यार्थी परिषद से किसान संघ में

- श्री श्रीनिवास, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री

पूर्णकालिक जीवन से व्यक्तिगत जीवन में

- श्री जीत सिंह, राष्ट्रीय मंत्री
- श्री आलोक पांडेय, अखिल भारतीय शोध कार्य प्रमुख
- श्री संतोष तोडशाल, प्रांत संगठन मंत्री कोंकण
- श्री विमल शर्मा, विश्व विद्यालय कार्य प्रमुख, पूर्व प्रांत संगठन मंत्री सिक्किम
- श्री जयकरण, प्रांत संगठन मंत्री, ब्रज
- श्री श्याम राजावत, प्रांत संगठन मंत्री, हरियाणा
- श्री राहलु चौबे, विभाग संगठन मंत्री मंदसौर, पूर्व प्रांत संगठन मंत्री मिजोरम

दायित्व घोषणा

- श्री डी.एस. अभिराम, प्रांत संगठन मंत्री, दक्षिण तमिलनाडु
- श्री एन. सुमन, प्रांत सह संगठन मंत्री, आंध्र प्रदेश, केन्द्र – तिरुपति
- श्री एस. सुब्बाराव, प्रांत सह संगठन मंत्री, आंध्र प्रदेश, केन्द्र – विशाखापटनम्
- श्री गीतेश चौहान, प्रांत संगठन मंत्री, कोंकण
- श्री रमेश प्रमाणिक, प्रांत सह संगठन मंत्री, दक्षिण बंग, केन्द्र – वर्धमान
- श्री भगवती सिंह प्रांत सह संगठन मंत्री, मणिपुर
- श्री मनीष राय, प्रांत संगठन मंत्री ब्रज
- श्री श्याम कुशवाहा, प्रांत संगठन मंत्री हरियाणा
- श्री आर. विष्णुवर्धन हैदराबाद महानगर संगठन मंत्री
- श्री ईशान गणपुले मुंबई महानगर संगठन मंत्री
- श्री दिगंबर पवार केंद्रीय कार्यालय मंत्री
- श्री सुमित पांडेय, थिंक इंडिया प्रमुख, केंद्र दिल्ली
- श्री राहुल गौड़ विकासार्थ विद्यार्थी (एसएफडी) अ. भा. संयोजक, लखनऊ
- श्री आशीष शर्मा, राष्ट्रीय सोशल मीडिया कार्य संयोजक, मुंबई
- श्री प्रियांक देव, राष्ट्रीय सह सोशल मीडिया संयोजक, दिल्ली
- श्री भूवी जोगी राष्ट्रीय सह सोशल मीडिया संयोजक गुजरात
- श्री यू स्टालिन राष्ट्रीय सह सोशल मीडिया संयोजक, चेन्नई
- श्री नटवर केडिया, राष्ट्रीय सह सोशल मीडिया संयोजक, गुवाहाटी
- सुश्री अर्पणा मिश्रा, लखनऊ, अवध

केंद्र परिवर्तन

- श्री मनोज निखरा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, केन्द्र - मेरठ पूर्व में आगरा
- श्री कमल नयन, अ. भा. सेवार्थ विद्यार्थी (STUDENT FOR SEVA) प्रमुख, केन्द्र - सूरत पूर्व में काशी
- श्री धीरज, प्रांत सह संगठन मंत्री, बिहार, केन्द्र - भागलपुर पूर्व में पटना

राष्ट्र व समाज हित
भूमिका महत्वपू

पीटरहाफ शिमला में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक से पूर्व संध्या को आयोजित कार्यक्रम में नागरिक अभिनंदन समारोह सर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव ही छात्र हित के संरक्षण, राष्ट्रहित और समाज के विकास के लिए तत्परता के साथ कार्य करती है। उन्होंने कहा कि विभिन्न आपदाओं के समय में विद्यार्थी परिषद की ओर से किए गए कार्य सराहनीय हैं। कोरोना के संकटकाल के दौरान विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंद लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान कर समाज सेवा की मिसाल कायम की है।

उन्होंने रक्तदान और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए भारतीय परिषद की सराहना की। उन्होंने अपने छात्र जीवन के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में किए गए कार्यों का स्मरण करते हुए विभिन्न अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कार्यकारी परिषद में आये सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुझसे पूर्व अपने वक्तव्य में विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जब वे घर से निकले थे, वहां का तापमान 49 डिग्री था लेकिन शिमला पहुंचते – पहुचंते उन्हें स्वेटर पहनने पड़े। ठीक इसी प्रकार जब हम विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रमों में आते हैं तो हमारी आयु में 30 वर्ष का अंतर आ जाता है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री जब विद्यार्थी परिषद के बारे में बोल रही थी तो मैं पुरानी स्मृतियों में खो गया। इससे पूर्व स्वागत समिति के अध्यक्ष नंद लाल शर्मा ने सबसे पहले समारोह में आये मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर समेत अभाविप के सभी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय

में विद्यार्थी परिषद की र्ण : जयराम ठाकुर

नागरिकों का अभिनंदन एवं स्वागत किया। अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष छगन भाई पटेल ने कहा विद्यार्थी परिषद 74 वर्ष की अनवरत यात्रा करने वाला विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। लाखों कार्यकर्ताओं के अनेक पीढ़ियों के तन-मन-धन के समर्पण से यह संगठन खड़ा हुआ।

अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि विश्व की चौथी बड़ी सेना भारत के पास है। सैन्य शक्ति की बात हो तो हिमाचल का नाम लेना अनिवार्य हो जाता है। भारतीय सेना में हिमाचल के योगदान को कोई कैसे भूल सकता है ? एक समय में देवभूमि में देवताओं की भूमिका को नकारने वालों की संख्या बढ़ गई थी वैसे समय सुनील उपाध्याय जी ने अपनी पढ़ाई छोड़कर कश्मीर से आकर हिमाचल में विद्यार्थी परिषद के कार्य को खड़ा किया। उपाध्याय जी ने जिस कार्य को खड़ा किया उसे परिषद कार्यकर्ता आगे बढ़ा रहा है।

अभाविप राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक की पूर्व संध्या पर शिमला के होटल पीटरहॉफ में नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर थे। समारोह में स्थानीय नागरिक के साथ-साथ कई पुरातन कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। अतिथियों के संबोधन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश की पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों पर लिखी पुस्तक का लोकार्पण किया गया। पुस्तक को अभाविप आयाम शोध एवं एडवांस स्टडिज शिमला के द्वारा प्रकाशित की गई है। कार्यक्रम का संचालन अभाविप हिमाचल प्रदेश के मंत्री विशाल वर्मा ने किया वहीं धन्यवाद ज्ञापन स्वागत समिति मंत्री विशाल राठौर ने किया।

नई शिक्षा नीति भारत के 'सर्वांगीण विकास' के प्रयासों को देगी दिशा : सहस्त्रबुद्धे

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक के अंतिम दिन यानी 29 मई को स्वावलंबी भारत और युवाओं की भूमिका विषय पर बोलते हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि हम हमेशा से आत्मविश्वासी थे। पूरी दुनिया में भारत आर्थिक शक्ति थी। हम विस्मृत हो चुके हैं। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपने इतिहास की ओर जाना पड़ेगा। 600 ई.पू. – 1200 तक अगर दुनिया में कहीं विश्वविद्यालय सिस्टम था, वह भारत में था। भारत भाषा, ज्ञान, कला इत्यादि सभी क्षेत्रों में आगे था। हमारी शिक्षा में ऐसी स्थिति क्यों आई ? हमारी शिक्षा को इस स्थिति में लाने के लिए मैकाले की सबसे बड़ी भूमिका थी। मैकाले शिक्षा पद्धति का उद्देश्य सभी को क्लर्क बनाना था।

उन्होंने कहा कि हमारे बजट का बड़ा हिस्सा कोयले और तेल के आयात में ही खपत हो जाता है। विदेशों में अगर कुछ होता है तो उसका सीधे असर हमारे देश के बजट पर पड़ता है। बिजली उत्पादन में सबसे ज्यादा खपत कोयले की होती है। धीरे – धीरे बिजली उत्पादन में कोयले की निर्भरता खत्म करनी होगी। वैकल्पिक ऊर्जा यानी सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। इस हेतु जो चीजें लगती है उसका निर्माण भी भारत में करना होगा, तभी हम आत्मनिर्भर बन पायेंगे। आयात के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि के बजट में कटौती हो जाती है। खुशी की बात है कि स्वावलंबी घर और गांव तैयार हो रहे हैं, विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को इन गांवों में जाकर इंटर्नशिप करनी चाहिए। टॉयहैकाथॉन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि डेढ बिलियन डॉलर खिलौने की खरीददारी होती है, जिसमें 80 फीसद से ऊपर खिलौनों का हम विदेश से खरीददारी करते हैं। भारतीय संस्कृति से जुड़े खिलौने का निर्माण अगर भारत में होगा तो 80 फीसद पैसे जो विदेश जाते हैं वह बच सकता है। खिलौना उद्योग में बहुत कम इन्वेस्टमेंट है, इसके लिए भी अगर हमें विदेश पर निर्भर रहना पड़ेगा तो दुखद है। आत्मनिर्भरता छोटे उद्योगों से शुरू करने पड़ेंगे। अधिकांश मोटर पार्ट्स बाहर से आते हैं, जिसका निर्माण हम अपने देश में कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता गांव से शुरू होती है। छोटे – छोटे कस्बों में जाकर हमें बताना पड़ेगा, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना पड़ेगा। जितना हम इसका प्रचार – प्रसार करेंगे, आत्मनिर्भरता आयेगी। नवाचार को बढ़ावा देना होगा। डिपेक्स, साविष्कार के माध्यम से विद्यार्थी परिषद नवाचार को उभारने का काम कर रही है।

प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा नई पीढ़ी तक पहुंचेगी। प्राचीन काल में भारतीय अर्थव्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ थी तथा आयुर्वेद सहित विविध क्षेत्रों में भारत अग्रणी था। हमने स्वतंत्रता पश्चात सभी क्षेत्रों में उत्तरोत्तर वृद्धि दर्ज की है। अब हमें हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने हेतु तेजी से प्रयास करने होंगे। अभाविप ने 'उन्नत भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से देश के युवाओं को आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करने हेतु उल्लेखनीय प्रयास किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों के जिस तरह सर्वांगीण विकास की बात कही गई है, उसे धरातल पर सफल कर हम राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के उद्देश्यों में सफल हो सकते हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के पूर्व 25 मई को हुआ केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक का आयोजन

25 मई 2022 को राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ शिमला, हिमाचल प्रदेश के होटल पीटरहॉफ में हुआ। केंद्रीय कार्यसमिति बैठक का उद्घाटन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर भूपेंद्र सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बैठक में कुल 65 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। बैठक में आने वाले प्रस्तावों पर भी कार्यसमिति सदस्यों ने चर्चा की एवं सुझाव दिए। राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में अभाविप 75 वर्ष पर युवाओं से एक आह्वान भी पारित किया गया, जिसे बाद में राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद में पढ़ा गया।

केंद्रीय कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि अभाविप राष्ट्र प्रथम की भावना से देश हित में कार्य करने वाला संगठन है जो देश की आजादी के 75 वर्ष के साथ-साथ अपने भी अपने 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। जहां-जहां भारत माता की जय का नारा गूंजता है समाज समझ जाता है कि यहां विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75 वर्ष पूरे होने पर संगठनात्मक रूप से आगे बढ़ रहा है जिसमें एक करोड़ सदस्य 10,000 इकाई 1500 नवीन विस्तारक का लक्ष्य विद्यार्थी परिषद ने लिया है। देश में नई शिक्षा नीति लागू हो इसके लिए विद्यार्थी परिषद का संघर्ष लंबा रहा है और हम सही इतिहास विद्यार्थियों को पढ़ाए जाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि आज देश करोना को पीछे छोड़ आगे बढ़ रहा है। देश भर के विश्वविद्यालय परिसर, अभाविप के प्रयासों से खुल गए हैं। नीट पीजी परीक्षाओं हेतु भी

छात्रों की आवाज बनकर विद्यार्थी परिषद सामने आया और अभाविप प्रतिनिधिमंडल ने दो बार ज्ञापन भी प्रेषित किया। हमारा सुझाव अब भी है की जुलाई माह में छात्रों को एक मौका और मिले जिससे छात्रों का भविष्य बर्बाद ना हो। विद्यार्थी परिषद समस्त राज्यों की सरकारों को आग्रह करती है कि परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगे व दोषी व्यक्तियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। उत्तर प्रदेश एवं पूर्वोत्तर के राज्यों में छात्र संघ चुनावों में अभाविप की जीत हमारे विचार की ओर छात्रों के बढ़ते रुझान को प्रमाणित करती है। असम में आई बाढ़ से जो क्षति हुई है ऐसी कामना करती हूं कि स्थिति सामान्य हो और सभी सुरक्षित रहें। अपने सम्बोधन के उपरांत राष्ट्रीय महामंत्री ने विवि इकाई के कार्यकर्ताओं के साथ भी बैठक की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विवि परिसर में विद्यार्थी परिषद के काम को और अधिक कैसे सक्रिय कर सकते हैं उस पर भी अपने विचार रखे। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय महामंत्री के साथ बैठक के दौरान हर एक विषय पर खुलकर चर्चा की। राष्ट्रीय महामंत्री ने शिमला जिला के कार्यकर्ताओं की तारीफ करते हुए भी कहा कि पिछले दो महीने से कार्यकर्ता राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक की तैयारियों में जुटे हैं फिर भी कार्यकर्ताओ का उत्साह डगमगाया नहीं है।

Indian music is the mother of all music in the world : Godkhindi

Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad, Karnataka in association with department of Kannada and Cultural Affairs, Govt. of Karnataka, Karnataka State Open University – Mysuru and Vidyarthi patha – Monthly magazine inaugurated the third edition of the Student Cultural Movement held at Karnataka State Open University Campus in Mysore on 13th and 14th May,2022. Every student should understand that we must keep our mind on building a civilized society with the inauguration of the third edition. We need to be aware of the contribution of our ancestors and engage ourselves in life. Don't be fooled by what someone has said; by famous flute player Pravin Godkhindi. The world has always looked up at India. It is always in the process of educating the people of the world. Indian music is the mother of all music in the world that its capable of successfully reaching out to the peers among many modern music, is the opinion of Pravin Godkhindi.

In the program, Kannada Sahitya Academy president Shri B V Vasantkumar mentioned about the freedom that we have achieved in a movement, it needs the people who will maintain the independence. So Swami Vivekananda engaged himself in the great work of historical construction. Based on the ideology of Swami Vivekananda, ABVP has pledged to rebuild our nation. He said that the building of the nation is not like building a house, it is building of an individual personality. The culture that makes you happy is the best culture. ABVP is working to reach the students through a continuous

and sustainable activity called the Student Cultural Movement. As our Culture is the life of this country, efforts to preserve it, is done through this process. The RSS senior propagandist Shri P R Krishnamurthy spoke on the occasion and told that the movement was intimidating. He told that the movement is not meant for destruction but for social construction. It is happy to know that this is uniting students through such a positive movement. Through art we can express the culture of a nation at its best. It is up to us to take the responsibility for such movements.

National Kala Munch Convenor Shri Niranjan addressed the occasion and told that art touches heart of each and every person. The influence of art throughout the nation is significant. Not every one has a similar talent, every one is gifted with individual talents. ABVP offers many forums for such an artistic talent shows. Famous theater artist Sambhashiva Dalavayi and professor Vidyashankar, Vice chancellor-Karnataka Open University of Mysuru greeted the

occasion. ABVP's state Assistant Secretary Sai Aishwarya was also present on the forum. ABVP Karnataka state Secretary Manikantha Kalasa welcomed and thanked the forum. A total of 1200 students from more than one hundred colleges in Karnataka participated in 14 various competitions.

A mesmerizing procession in the cultural capital city Mysuru

The Student Cultural Movement for the Rebuilding of the Nation was held at the University of Mysore in collaboration with ABVP Karnataka and National Kala Munch. About 40 students from our college were dressed in many cultural dresses and got attention during the show. Students from different parts of the region participated in many rural culture dresses.The procession moved with the bhajan,dance, taal and slogans. During the procession, students wore a variety of dresses such as Yakshagana, Bharatanatyam, Kodava, Kerala, Coastal Attire and more. In particular, the students had prepared many bhajans and spent about half an hour in front of the sabha bhavan by singing and dancing for that bhajans. The students who were participating in the competitions also joined the procession to make it more glorious. The bhajans were made in Kannada, Tulu, Malyalam languages. If this was meant to cultivate and preserve Hindu culture, then it would not be a mistake. Participation is important than winning a prize. Such programs are helpful for coordination with students from different parts of the state. We shouldn't forget our culture though we are anywhere. We must be successful in developing our culture where ever we go. Then our culture will not just perish, but grow too.

Westernization is not a modernity : V Nagaraj

It is the only Indian culture that has survived for thousands of years in the world amidst alien invasions. RSS's Kshetra Sanghachalak V Nagaraj said that such a culture has to be raised by young people to make India a World Guru. He spoke at the valedictory ceremony of the Student Cultural Movement which was held for two-days at Open University of Karnataka in the city, that we can read Arab, Greek, Eygypt, Harappa and other cultures and their language in the universities. But Indian culture is not like that. He said that though India had been captured for five thousand years, it has survived.

Westernization is an illusion; The illusion that Modernism means the Westernization have been stuck in our minds. But Westernization is not modernization. Our culture will be modern every time. We have to accept that change is not constant. The role of young people is crucial for India to become the World Leader. Indians have now spread throughout the world. They are intelligent, cultured people and creative ones. They are contributing to the respective countries and upbringing our culture there itself . That is why India has now gained the recognition of the whole world. He said that now the whole world is suffering from war and environmental destruction.

Prof. V Nagesh Betkotte, Chancellor of the University of Karnataka State Gangubai Hangal School of Music and Performing Arts, said that all schools and colleges have been performing the cultural arts only in schooldays and college functions. Although the extra-curricular activities are being promoted by the central government through the National Education Policy (NEP)as a curriculum, it is being encouraged.

Literary and Artist Council Chairperson Papu Srinivas, ABVP Regional Organizing Secretary Swami Marulapura, Rashtriya Kala Manch Sanghachalak Niranjan, Dr Ramadas Reddy, Srirama and many others were present in the valedictory function. At the end of the forum, 18 various categories of compitition were awarded with cash prizes and momemtos.

बेगुसराय : 'मिशन साहसी' के माध्यम से डेढ़ सौ छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

बिहार के बेगुसराय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 15 दिवसीय आत्मरक्षार्थ शिविर 'मिशन साहसी' का आयोजित किया गया, जिसका समापन 17 मई को किया गया। मिशन साहसी के तहत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुण, गुड टच एवं बैड टच संबंधित जानकारी के साथ किसी भी परिस्थिति में अपने, परिवार, समाज और राष्ट्र रक्षा का रहस्य सिखाया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि कोई अन्य व्यक्ति या संस्था किसी को आत्मनिर्भरता और स्वावलंबी तब तक नहीं बना सकता, जब तक हम स्वयं मानसिक रूप से इसके लिए प्रतिबद्ध नहीं हों। मिशन साहसी कार्यक्रम में मात्र सम्मिलित ही नहीं होना है, बल्कि इसके उद्देश्य तक पहुंचना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। मिशन साहसी का उद्देश्य आत्मविश्वास बढ़ाना है, वर्तमान में लड़कियों के साथ छेड़-छाड़, दुष्कर्म जैसी घटनाओं से खुद को सुरक्षित करने के प्रति जागरूक करना है।

पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य कन्हैया कुमार एवं जिला संयोजक सोनू सरकार ने कहा कि छात्राओं को घर से निकलने के बाद तमाम तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी, हर वक्त माता-पिता और भाई-बहन साथ नहीं रह सकते। अपने अंदर आत्मविश्वास के साथ ही कुछ तकनीकी गुर का ज्ञान होना जरूरी है, जिससे हम समय रहते अपना बचाव खुद कर सकें और हमें किसी की जरूरत नहीं पड़े। प्रान्त छात्रा सह प्रमुख स्वेत निशा एवं समाजिक कार्यकर्ता अंकित कुमार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद की इस पहल से समाज को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

प्रदेश कार्यकारणी सदस्य अभिगत कुमार एवं नगर मंत्री पुरूषोत्तम कुमार ने कहा कि इससे छात्राओं में आत्मविश्वास और साहस बढ़ेगा। मिशन साहसी का उद्देश्य है कि छात्राएं मनचलों के डर से नजर झुकाकर नहीं, बल्कि उठाकर चलें, अश्लील फब्तियां कसने वालों को सबक सिखाएं। छात्र नेता राघव कुमार एवं नगर सह मंत्री आकाश कुमार ने कहा कि अभाविप अपने स्थापना काल से ही छात्र हित के साथ विभिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास करने का प्रयास कर रहा है।

ऑप्टिमम पब्लिक स्कूल के सोनू कुमार एवं होली मिशन के रवीश कुमार ने कहा की मिशन साहसी का उद्देश्य छात्राओं को मानसिक एवं शारीरिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सबल बनाने का है। छात्राओं को हर क्षेत्र में आगे बढने की जरूरत है, आजकल तो सरकार भी छात्राओं को प्रोत्साहित कर रही है, सभी साहसी बनें और अपने लक्ष्य को पूरा करें। अभाविप का यह मिशन साहसी सराहनीय एवं छात्राओं के लिए बहुत अच्छा कार्यक्रम है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं को सम्मानित तथा छात्राओं के बीच प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।

Registration for the tree plantation campaign from ABVP begins on World Environment Day

The Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad has set a target of planting one crore saplings across the country in the recently concluded National Executive Council meeting. Taking a step in this direction, ABVP has started the campaign with its dimension Students For Development on the occasion of World Environment Day. Under the campaign, one crore saplings will be planted across the country for which the process of registration has been started today. Under the campaign, students who will register will be made 'Vriksha Mitras'.

The campaign to plant one crore saplings will be run in several phases. Students who register under the campaign, will later plant saplings as 'Vriksha Mitras' and a plan for the protection of those plants under this campaign. This campaign will be an indispensable contribution towards increasing environmental awareness among the youth. Through registration, the student community has been called upon to join the campaign as volunteers.

Rahul Gaur, National Convener of SFD said that, "Along with development, conservation of environment should also be an important point in our priorities. Our karyakartas have pledged to plant one crore saplings. The increasing pollution and the spread of respiratory diseases due to it should be tackled. Keeping in centre the harm done to the human body due to our negligence, we all should do the necessary labor with a determination to deal with the problems."

ABVP's National General Secretary, Ms. Nidhi Tripathi said that, "Due to increasing industrialisation and other reasons, everyone is worried about the damage being done to the environment at present. There is awareness about this subject especially in the youth. Taking the lead, we are urging every section of the society to contribute towards the environment. This mega campaign of tree plantation will prove to be a successful initiative to solve the problem of declining trees and associated problems."

लखनऊ : दिव्यांग जनों के लिए मेडिविजन ने लगाए निःशुल्क चिकित्सा शिविर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आयाम मेडिविजन द्वारा लखनऊ (अवध प्रांत) में दिव्यांगजनों के लिए डॉ. शंकुतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें 197 दिव्यांग छात्र/छात्राओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर छात्राओं के बीच सेनेटरी किट वितरित की गई। अभाविप के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉक्टर सुचिता चतुर्वेदी उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में हम देखते है कि छोटे-छोटे बच्चे कुपोषण के शिकार है, जिससे उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रसित होना पड़ता है। कई बार सही समय पर जानकारी न मिल पाने पर उन्हें गंभीर बीमारियों का सामना भी करना पड़ता है। विद्यार्थी परिषद छात्रों की समस्याओं को समाधान करने के साथ - साथ सदैव समाज की सेवा में तत्पर रहता है। अभाविप अपने विविध आयाम के माध्यम से समाज में इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम करती रहती है।

अभाविप, अवध की प्रांत छात्रा कार्य प्रमुख तूलिका श्रीवास्तव ने कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता, जो समाज के लिए चुनौती थी, जिस पर लोग बात करने से डरते थे। इस विषय पर विद्यार्थी परिषद ने ऋतुमती अभियान शुरू किया। ऋतुमति अभियान के माध्यम से अभाविप कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को उसके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मलिन बस्तियों व महाविद्यालय परिसरों में अभियान चलाया एवं उनके बीच सैनेटरी पैड का वितरण किया। उन्होंने बताया कि परिषद

के इस अभियान के कारण में महिलाओं में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। वहीं प्रांत सह मंत्री रोहित सिंह ने बताया कि अभाविप अपने आयाम मेडिविजन के माध्यम से लगातार ऐसे स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन करती आ रही है। इस तरह के स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति को सामूहिक प्रयास द्वारा चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करवाना है। कई बार व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी बिमारियों को समझ नही पाता तथा जानकारी के अभाव में उसे नजरअंदाज कर देता हैं, परिणामस्वरूप बाद में वह विकराल रूप धारण कर लेता है, उनसे बचाना बहुत मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि गंभीर बिमारियों से बचने के लिए समाज को जागरूक करना अति आवश्यक है।

प्रांत सह मंत्री रोहित सिंह ने बताया कि मेडिविजन के द्वारा 28 अप्रैल को डॉ. शंकुतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया था, जिसमें 197 से अधिक दिव्यांग छात्र – छात्राओं के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ पश्चिम में स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय,दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2008 में स्थापित, एक नवीन विश्वविद्यालय है। जो भारत ही नहीं अपितु एशिया का पहला दिव्यांग विश्विद्यालय हैं। यह न केवल सभी को सुलभ और विश्व स्तर की उच्च शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि एक सहज और संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण में शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की शैक्षिक आवश्यकताओं भी पूरा करता है। इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य पूरी तरह से बाधा मुक्त वातावरण में चुनौतीपूर्ण छात्रों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना है।

सीयूईटी के लिए पेड कोचिंग शुरू करने के खिलाफ अभाविप ने किया विरोध प्रदर्शन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। दरअसल, रामानुजन महाविद्यालय द्वारा दिनांक 13 मई को अवैधानिक रूप से सीयूइटी के संबंध में क्रैश कोर्स आयोजित कराने को लेकर पोस्टर के माध्यम से सूचना जारी की गयी थी, जिसमें वर्णित था की जो छात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं। वो 12,000 रुपये का शुल्क दे कर पाठ्यक्रम को खरीद कर पढ़ सकते हैं। विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया है कि रामानुजन महाविद्यालय द्वारा अनैतिक रूप से सीयूईटी क्रैश संचालित किये जा रहे हैं, जिसका शुल्क 12 हजार निर्धारित किया गया है। महाविद्यालय के इस कदम के खिलाफ विद्यार्थी परिषद ने महाविद्याय परिसर के बाहर धरना प्रदर्शन किया तथा महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। अभाविप कार्यकर्ताओं ने कहा कि विरोध को देखते हुए नरमी दिखाते हुए प्रशासन ने अपने तुगलकी फरमान को वापस लेने का आश्वासन दिया हैं।

अभाविप के प्रांत मंत्री अक्षित दहिया ने कहा, "सीयूईटी से संबंधित क्रैश कोर्स (कोचिंग) के लिए 12000 फीस वसूलकर पब्लिक फंडेड इंस्टिट्यूट रामानुजन कॉलेज प्रशासन द्वारा निजी लाभ के लिए व्यावसायिक उपयोग करने की इजाज़त देना छात्रों व विद्यार्थी के अधिकारों का हनन है, जिसका अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कड़े शब्दों में आलोचना करती है। जहां अभाविप के कार्यकर्ता निशुल्क छात्रों को सीयूईटी की तैयारी करा रहे हैं वहीं रामानुजन कॉलेज द्वारा छात्रों से हजारों रुपए लेकर पब्लिक फंडेड इंस्टिट्यूट में कोचिंग चलाया जाना दुखद है। रामानुजन महाविद्यालय द्वारा सरकारी कॉलेज को प्राइवेट लिमिटेड बनाए जाने के विरोध में अभाविप महाविद्यालय प्रशासन के विरुद्ध प्रदर्शन कर रही है और अगर आगे भी छात्र हितों से कोई खिलवाड़ करने की कोशिश करता है तो अभाविप उसका सदैव विरोध करेगी" ।

जेएनयू में आयोजित अभाविप छात्रा कार्यशाला में वर्तमान परिदृश्य, महिला विमर्श पर मंथन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों की छात्राओं में नेतृत्व कौशल प्रदान करने के लिए 11 जून, 2022 यानी शनिवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का शुभारंभ अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी एवं राष्ट्रीय छात्रा कार्य प्रमुख मनु शर्मा कटारिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न महिला-केंद्रित मुद्दों जैसे परिसर में छात्राओं के वर्तमान मुद्दे, महिला-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे, समाज में महिलाओं की स्थिति और वैदिक नारीवाद पर चर्चा की गई और राज्य भर की सभी छात्राओं के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। संवादात्मक सत्र में छात्राओं के बीच उन मुद्दों और समस्याओं के बारे में भी चर्चा की गई जिनके लिए वर्तमान परिस्थितियों में आवश्यक समाधान खोजा जाना आवश्यक है। अभाविप दिल्ली प्रांत छात्रा प्रमुख प्रिया शर्मा ने बताया कि इस एक दिवसीय कार्यशाला को चार सत्रों में आयोजित किया गया था। पहला सत्र उद्घाटन एवं प्रास्ताविक का था, द्वितीय सत्र में विभिन्न विषयों को लेकर गटशः चर्चा की गई, तीसरे सत्र में समसामयिक विषयों पर सामूहिक चर्चा का आयोजन किया एवं चौथे एवं अंतिम सत्र में वैदिक काल से लेकर वर्तमान परिदृश्य में भारतीय चिंतन पर विचार – विमर्श किये गये।

कार्यशाला के दौरान मौजूद अभाविप राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद समाज और महिलाओं के लिए काम कर रही है और इस कार्यशाला जैसे आयोजनों के माध्यम से, परिषद, महिलाओं को सशक्तिकरण के मार्ग पर प्रोत्साहित और नेतृत्व कर रही है। कार्यशाला के माध्यम से हम महिलाओं को प्रबुद्ध करने और उनमें नेतृत्व कौशल जागृत करने का काम कर रहे हैं। समाज में बदलाव लाने के लिए, हमें महिलाओं के रूप में अलग-अलग क्षेत्रों में कदम उठाना होगा और पहल करनी होगी क्योंकि एक व्यक्ति का विकास अंततः पूरे समाज के विकास की ओर ले जाता है। हमारा इतिहास गवाह है अनेकों महिलाओं ने हमारे देश के विभिन्न आंदोलनों में कदम रखा और योगदान दिया, चाहे वह चिपको आंदोलन हो, स्वतंत्रता की लड़ाई हो या हमारे संविधान के प्रारूपण में उनका प्रतिनिधित्व करना हो। हमारे देश की महिलाएं देश की नींव में प्रमुख भूमिका निभाती रही हैं और उनके सशक्तिकरण के लिए ऐसे प्रयास करना जारी रखेंगे।

New security concerns in Kashmir

| K N Pandita |

Kashmir security situation asks for day to day assessment. Pakistan has accelerated anti-India propaganda on international scale focusing on human rights areas. She has succeeded in her mission to some extent. The UN Secretary General, besides the Rapporteur, has issued a chastising statement indirectly castigating India for what they consider violation of human rights.

India is countering the canard wherever it can and in whatever way it can. But the human hearts always melt for the victimised people. Pakistan propaganda machinery has gained expertise in the creation of victimhood syndrome. This has been part of Islamic history as well.

In summer 2021, the Taliban of Afghanistan began gaining an upper hand in many sensitive provinces of Afghanistan. The Afghan Taliban had made inroads into the segments of Afghanistan National Army through the double trick of bribes and intimidation. ISI was an accomplice and drawing the roadmap for them.

The message of Taliban on the verge of capturing Kabul had gone out much ahead of actual date of capture. The non-state actors in Pakistan and their organizations fighting a proxy war in Kashmir had also got a wink of it. It served a strong morale booster to the jihadists fighting in Kashmir.

Pakis tan had worked out the plan of offering ceasefire to India along the LoC for two important reasons. One was that Pakistan wanted a temporary de-escalation of tension on her border with India (especially J&K) leaving her space to attend effectively to the emerging scenario in Afghanistan. Her anticipations were not mere figments of imagination. The second, and perhaps more important reason was that Pakistan army/ISI had, in close coordination with the state/non-state militant organizations, raised well defended training camps in the forests recesses and sequestered locations of Kashmir close to LoC. The next step in their renewed strategy was to influence and alienate the Muslim villagers living close to the LoC and well conversant with the topography of the forest ranges. Thus we find that in Shupian, Kupwara and Poonch (Surankot) sectors, a good number of locals had shifted their allegiance from Indian army to the over-ground activists affiliated to the jihadi groups.

Hindsight will show that during past one year or more, very few Pakistani nationals have been reported to have infiltrated and take the command of the Kashmiri gorillas. The ISI is convinced that the Kashmiri militant cadres have come up to their expected level of planning, commanding and executing terrorist plans and programmes.

However, the activity of stone pelting or bringing out crowds on streets to protest the killing of a terrorist commander or staging massive dharanas etc. have almost come to zero. The reason is the implementation of All Out operation plan by the military and the quantum of freedom given to the security forces of handling critical ground situations arising from day to day.

There is visible shift in the security scenario in post –Taliban period not only in Afghanistan but in the entire volatile region of Afghanistan, Pakistan and Kashmir. This is a Sunni dominated

region with Wahhabist epicentre in Punjab province of Pakistan. This province is in great turmoil on account of religious ferment kept simmering by political, military, feudalists, bureaucrats, fanatical mullahs and anti-India frenzied elements. Deobandis and Barelvis are at loggerheads and each wants to supersede the other in whatever social segments it can.

In this fluid situation, the Kashmir Islamic terrorists have lost single command direction because the jihadist organizations feel they must manage to be in the eyes of the Taliban of Afghanistan. Therefore both premier jihadist groups, LeT and JeM send their volunteers to Afghanistan to receive training in new but highly lethal weapons left behind in Afghanistan by the fleeing Americans. Some of them have managed to get hold of the American sophisticated weaponry and sneak into our side of the LoC in J&K. The Indian army commander with the Northern Command did say t hat some sophisticated American weapons, which India does not have, have been brought to Kashmir by the infiltrating jihadist.

Our security commanders and forces are abreast with these developments and for them it is nothing unexpected. Rather more serious developments can be expected on Kashmir front. But what creates anxiety is the hardening of the denial-oriented attitude of valley Muslim leadership and the dubious silence of the otherwise vocal lobbies. No valley leader is prepared to exhibit even the smallest happiness over what the Modi government has delivered; all they remember and go on parroting about is the loss of freedom, rights, Kashmiriyat, jobs, land and such like meaningless and senseless complaints. We say meaningless because the complaints pertaining to these areas are baseless. Who has taken away the Kashmiriyat, who has taken away the land or jobs? No economist in Kashmir is prepared to tell something about the developmental works done and the percentage of people who are the beneficiaries of these new enterprises. This is the path of thankless people.

The Gupkar gang gives out intermittent laments quite loudly. There are no listeners. Their listeners, foremost of all, should be the people of Kashmir. But they are not nor do they want to be. A dispassionate study will show that the entire turmoil is actually directed against the valley leadership, one and all --- the old guard National Conference and the new guard of PDP. The Hurriyatis do not count anywhere except the Indian intelligence chapters.

In conclusion, the best we can wish for the valley people is God grant them strength and light to look 1500 hundred years ahead and relegate the 1500 years of past history to the backyard.

प्रिय मित्रों !

शिक्षा - क्षेत्र की प्रतिनिधि - पत्रिका के रूप में 'राष्ट्रीय छात्रशक्ति' जून 2022 अंक आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। यह अंक महत्वूर्ण लेख एवं विभिन्न समसामयिक घटनाक्रमों व खबरों को समाहित किए हुए हैं। आशा है, यह अंक आपके आवश्यकताओं के अनुरूप उपादेय साबित होगा। कृपया 'राष्ट्रीय छात्रशक्ति' से संबंधित अपने सुझाव व विचार हमें नीचे दिए गए संपादकीय कार्यालय के पते अथवा ई - मेल पर अवश्य भेजें : -

'राष्ट्रीय छात्रशक्ति'
26, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,
नयी दिल्ली - 110002.
फोन : 011-23216298
www.chhatrashakti.in
rashtriyachhatrashakti.abvp@gmail.com
www.facebook.com/Rchhatrashakti
www.twitter.com/Rchhatrashakti

असम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अभाविप कार्यकर्ताओं ने पहुंचाए भोजन, दवाई समेत जरूरी सामग्री

असम में बाढ़ ने तबाही मचा दी है। बाढ़ के कारण लोगों का जीना मुहाल हो चुका है। राज्य के 34 जिलों में से 22 जिले के 2095 गांवों में सात लाख 19 हजार से अधिक लोग प्रभावित हैं । इन 7 लाख 19 हजार 425 में से एक लाख 41 हजार बच्चे प्रभावित हुए हैं। प्रभावितों तक जरूरत की चीजों को पहुंचाने एवं उनकी सहायता करने के लिए खुद की परवाह किये बगैर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता दिन-रात सेवा कार्य कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता प्रभावितों तक पीने का पानी, भोजन, राशन, दवाई समेत अन्य जरूरत की चीजों को पहुंचा रहे हैं। इस मुहिम में राज्य भर में 187 कार्यकर्ता लगें हैं जिसमें लगभग दो दर्जन छात्रा कार्यकर्ता शामिल हैं। अभी तक 2200 से अधिक परिवारों तक राशन सामग्री पहुंचाया जा चुका है, जिसमें नागांव 220 परिवार, होजाई में 1370, मोरी गांव में 200, हइलकांडी में 300 सिल्चर में110 परिवारों तक राशन, दवाई, पीने के पानी समेत अन्य जरूरत की चीजों को पहुंचाया जा चुका है। अभाविप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री नीरव घेलानी ने कहा कि इस आपद काल में परिषद का एक-एक कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ित परिवार के साथ है। सेवा परिषद का संकल्प है। उन्होंने बताया कि परिषद के कार्यकर्ता प्रभावित परिवारों की सेवा और सहायता में लगे हुए हैं। हमारी कोशिश है कि अधिकतम परिवारों तक राहत पहुंचाया जा सके।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार अभी तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है जिसमें 19 की मृत्यु बाढ़ के कारण और पांच की जान भूस्खलन की घटनाओं में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक सात लाख से अधिक परिवार बाढ़ प्रभावित हैं। जिला स्तर की बात करें तो अकेले नगांव जिले में लगभग ,45,838 लोग, कछार में 2,29,275, होजई में58,393, मोरी गांव में 38,538, दरांग जिले में 28001 और करीमगंज में 16,382 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ ने 95,473 हेक्टेयर से अधिक फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि स्थिति में लगातार सुधार हो रही है।

विद्यार्थियों को सही दिशा देने वाला छात्र संगठन है परिषदः सुनील आंबेकर

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख एवं अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील आंबेकर ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल देखकर आनंद की अनुभूति हो रही है। आज नई पीढी के लिए मार्गदर्शन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नींव अगर मजबूत हो तो भवन टिकाऊ और मजबूत होता है। अभाविप की नींव मजबूत है, इसी का परिणाम है कि परिषद चहुंमुखी विकास के साथ निरंतर आगे बढ रहा है। विद्यार्थियों को सही दिशा देने का काम करने वाला छात्र संगठन विद्यार्थी परिषद है। असामाजिक तत्व देश की नींव को गिराने की कोशिश मे हैं, जो परिषद के रहते संभव नहीं है। उन्होंने परिषद कार्यकर्ताओं को देश की नींव की तरह कार्य करने का आह्वान किया। वहीं रा. स्व. संघ के क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन ने कहा कि यह संगठन गतिशील है, क्योंकि यहां परिवार भावना, आधारशिला का काम करती है। भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में अभाविप के कार्यकर्ता जरुर सफल होंगे।

अभाविप से मिलती है जीवन दृष्टि : के. एन. रघुनंदन

विद्या भारती उच्च संस्थान के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री के.एन.रघुनंदन ने कहा कि अभाविप से जीवन जीने की दृष्टि मिलती है। देश के युवाओं में देशभक्ति का भाव जगाना अभाविप का मुख्य कार्य है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु मदुरई में एबीवीपी का एकमंजिला कार्यालय है, जहां पिछले 35 वर्षों से प्रत्येक रविवार को स्वास्थ्य सेवा कार्य के लिए

भवन समाज को समर्पित कर दिया जाता है। रांची में स्थित कार्यालय चार मंजिला भवन है, हमें विश्वास है कि शिक्षा के साथ-साथ कई अन्य क्षेत्रों में अच्छे कार्य कर इस राज्य में अभाविप का नाम कार्यकर्ता रोशन करेंगे।

प्रा. यशवंत राव केलकर के नाम पर पहला अभाविप कार्यालय : आशीष चौहान

अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने कोरोना समय के अभाविप की उपलब्धियों व कार्यो का वर्णन करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रा. यशवंतराव केलकर के नाम पर झारखंड के प्रांतीय कार्यालय का नाम रखा गया है, इस नाम से देश में पहला अभाविप कार्यालय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्हें झारखंड के गांव - गांव जाकर नए सदस्यों को जोड़कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने का संकल्प लेना चाहिए।

विभिन्न आयामों के माध्यम से निरंतर गतिशील है परिषद : अशोक भगत

पद्मश्री अशोक भगत ने अपने समय के कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत व परिश्रम के बारे बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद वर्तमान समय मे अनेक प्रकल्पों के माध्यम से निरंतर गतिशील है। वहीं अभाविप के पूर्व प्रांत उपाध्यक्ष के.के.मिश्रा जी ने कहा कि भारत की भूमि राष्ट्रभक्ति रुपी उर्वरा से युक्त है। अभाविप परिसर का संगठन है, इसे पुनर्जीवित करने की जरुरत है। समाज को मातृभाषा की ओर समर्पण की जरूरत है।

अभाविप झारखंड प्रांत कार्यालय 'यशवंत स्मृति' का लोकार्पण 14 मई को मुख्य अतिथि सुनील आंबेकर ने कार्यालय प्रवेश द्वार पर नारियल फोड़कर किया। लोकार्पण समारोह कार्यक्रम का आयोजन रांची के मोराबादी स्थित आशीर्वाद बैंकट हॉल में किया गया था। विषय प्रवेश अभाविप प्रांत अध्यक्ष ओपी सिन्हा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रांत मंत्री सोमनाथ भगत ने किया। लोकार्पण समारोह में अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीनिवास, क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन, सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, प्रांत संगठन मंत्री राजीव रंजन, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी, रघुवर दास, भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेन्द्र नाथ, सांसद सुदर्शन भगत, निशिकांत दूबे, विधायक अनंत ओझा, बिरंची नारायण, अमर बाउरी, अभाविप प्रांत प्रमुख प्रा. पंकज कुमार, पूर्व प्रांत अध्यक्ष प्रा. श्रवण सिंह समेंत हजारों नूतन – पुरातन कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेजस्विनी के दोषियों को सजा नहीं मिली तो व्यापक आंदोलन करेगी परिषद : एन. हरि कृष्णा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री एन. हरि कृष्णा ने बी. फार्मेसी की छात्रा तेजस्विनी के शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और तेजस्विनी के दोषियों को कठोर सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार बलात्कारियों को कड़ी से कड़ी सजा दें। उन्होंने कहा कि दोषियों को अगर सजा नहीं मिली तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व्यापक आंदोलन करेगी। परिषद का एक - एक कार्यकर्ता तेजस्विनी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर दृढ़ संकल्पित है।

अभाविप राष्ट्रीय मंत्री एन. हरि कृष्णा ने तेजस्विनी के प्रेमी सादिक पर आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रा का बलात्कार और हत्या लव जिहाद के हिस्से के रूप में हुई थी। उन्होंने सरकार से दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने एवं तेजस्विनी के शोक संतप्त परिवार को 50 लाख अनुग्रह राशि देने की मांग की। साथ ही, कहा कि अगर दोषियों को सजा नहीं दी गई तो अभाविप व्यापक आंदोलन करेगी।

तेजस्विनी के परिजनों ने सामूहिक बलात्कार और हत्या का लगाया आरोप

तेजस्विनी के परिवार वालों ने बताया कि उनकी बेटी तेजस्विनी के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ है। बलात्कार के बाद दरिंदों ने उनकी बेटी की हत्या कर दी। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि दोषियों को बचाने के लिए मामले की लीपापोती की जा रही है।

सादिक ने फोन करके तेजस्विनी को मिलने के लिए बुलाया

तेजस्विनी तिरुपति में बैचलर ऑफ फार्मेसी की छात्रा थी। जबकि सादिक मेल्लापल्ली गांव में काम करता था। चार मई को सादिक ने फोन करके युवती को मिलने के लिए बुलाया और दोनों ने करीब दो घंटे तक शादी को लेकर बातचीत की। उसके बाद कथित रूप

वह अपने परिवार से शादी को लेकर बात करने के लिए घर आया और जब वापस लौटा तो वह आत्म हत्या कर चुकी थी। मगर तेजस्विनी के परिवार वालों का कहना है उनकी बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ और उसके बाद हत्या कर दी गई।

क्या है मामला ?

छात्रा तेजस्विनी का शव प्रेमी सादिक के फार्म हाउस के शेड में लटकी मिली है जिसके बाद से यहां मामला गर्म हो गया है। आंध्र प्रदेश के सत्य सांई जिले के धर्मावरम थाने का यह मामला है जहां चार मई को छात्रा ने अपने प्रेमी सादिक के फार्महाउस में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। युवती के परिवार वाले सामूहिक बलात्कार और उसके बाद हत्या करने की बात कह रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सादिक और तेजस्विनी के बीच पिछले तीन साल से प्यार परवान चढ़ रहा था। धर्मावरम के डिप्टी पुलिस सुपरिटेंडेंट रमाकांत के मुताबिक, दोनों का करीब तीन साल से फोन पर लगातार संपर्क था। तेजस्विनी तिरुपति में बैचलर ऑफ फार्मेसी की छात्रा थी। जबकि सादिक मेल्लापल्ली गांव में काम करता था।

शिक्षा क्षेत्र में राज्य सरकारों के बढ़ते हस्तक्षेप, वर्तमान परिदृश्य, शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं स्वावलंबी भारत और युवा पर केंद्रित अभाविप ने पारित किये चार प्रस्ताव

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी बैठक शिमला में 'सामान्य शिक्षा में अकर्मण्य राज्य सरकारें विश्वविद्यालय प्रशासन में अवांछनीय हस्तक्षेप, 'वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य', 'छात्र केन्द्रित एवं भविष्योन्मुखी राष्ट्रीय शिक्षा नीति', एवं 'स्वावलंबी भारत बनाने की ओर अग्रसर हो युवा' विषय पर चार प्रस्ताव पारित किए गए। चार प्रस्ताव के अलावे अभाविप ने इस बैठक में 'अभाविप 75 वर्ष पर युवाओं से आह्वान' किया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पहले प्रस्ताव में कहा गया है कि शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक परिवर्तन की आशा और विश्वास के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पूरे देश में व्यापक रूप से स्वागत हुआ है। राज्य सरकार इसके सफल क्रियान्वयन में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर सकती है परंतु कुछ राज्य सरकारों के नकारात्मक रवैये के कारण संदेह की स्थिति उत्पन्न हो रही है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल तथा केरल राज्य की सरकारों के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू न करने का निर्णय चिंताजनक एवं छात्र विरोधी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के विरुद्ध उड़ीसा में विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता तथा स्वतंत्रता को सीमित करने वाले विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम 2020 पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तीन माह तक के लिए अंतरिम रोक लगाने की अभाविप प्रशंसा करती है। बंगाल राज्य में मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय का कुलाधिपति बनाने संबंधी प्रस्ताव बंगाल कैबिनेट द्वारा पारित करना निंदनीय है। यह शिक्षा जगत में सीधे ही राजनैतिक हस्तक्षेप करने का उदाहरण है। अन्य कुछ राज्य सरकारों द्वारा ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं जिन पर अविलंब रोक लगानी चाहिए।

अभाविप ने इस प्रस्ताव में गुजरात, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु तथा महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में अनाधिकृत हस्तक्षेप बंद करने की मांग की है। अनियमित सत्र पर चिंता व्यक्त करते हुए परिषद ने कहा है कि बिहार राज्य में अकादमिक अनियमितताएं स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। तीन वर्षों में पूर्ण होने वाली स्नातक डिग्री 5 वर्षों में पूर्ण हो रही है। यह छात्रों के भविष्य एवं उनके अकादमिक जीवन पर कुठाराघात है। परिषद ने सरकार से सत्र नियमित करने की मांग की है। इसके अलावे विभिन्न राज्यों में हो रहे पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इसमें संलिप्त दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

वहीं दूसरा प्रस्ताव वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य पर है, जिसमें कहा गया है कि आज भारत ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं आर्थिक रूप से विश्व पटल पर बहुत तेजी से उभर रहा है। भारतीय पारंपरिक औषधियों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केन्द्र (Global Centre For Traditional Medicine) जामनगर में स्थापित होना, भारतीय खिलाड़ियों के द्वारा बैडमिंटन का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार थॉमस कप जीतना तथा कान्स फ़िल्म महोत्सव में 'Country of Honour' पाने वाला पहला देश बनना यह वैश्विक स्तर पर उभरते भारत की छवि को दर्शाता है। जहां एक ओर कोरोना के कारण दुनिया भर में आर्थिक मंदी का संकट गहरा रहा है वहीं दूसरी ओर भारत की 2022-23 की अनुमानित जीडीपी का वार्षिक वृद्धि दर 8.2 फीसद होना सुखद अनुभूति का सूचक है। अभाविप ने अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारतीय कूटनीति के प्रभाव की प्रशंसा की है। असम-

मेघालय तथा असम-अरुणाचल राज्य के मध्य चल रहे सीमा-विवादों को केंद्र व राज्य सरकार के द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने, भारत के सच्चे इतिहास को उजागर करने वाली 'द कश्मीर फाइल्स' एवं राष्ट्रीयता का भाव दर्शाने वाली फिल्म 'आरआरआर' की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त किया है एवं भारत सरकार द्वारा मुसीबत के समय में एक अरब डॉलर आर्थिक सहायता एवं तमिल को आवास प्रदान करने के कदम का अभिनंदन किया है।

अभाविप ने असम में आए बाढ़ पर भी चिंता व्यक्त की है और शीघ्र समान्य होने की कामना की है। रूस – युक्रेन युद्ध में भारत सरकार के द्वारा विद्यार्थियों को सकुशल स्वदेश वापसी के कदम की सराहना की है। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति को देखते हुए परिषद ने राज्य सरकारों को मुफ्त की नीतियों से बचने की सलाह दी है। हाल ही में पंजाब के काली मंदिर एवं मोहाली में पंजाब पुलिस के खुफिया विभाग मुख्यालय पर हुए हमले पर परिषद ने चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से शीघ्र आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

शैक्षणिक संस्थानों पर बढ़ते मादक पदार्थ की उपलब्धता पर चिंता व्यक्त करते हुए परिषद ने परिसर से दूर रखने की मांग की है। हलाल पर टिप्पणी करते हुए कहा गया है भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक स्थानों पर हलाल पंजीयन का उपयोग कर भारत के संविधान के सर्वपंथ समभाव व जीवन यापन के अधिकार का हनन भेदभावपूर्ण है। हिजाब मुद्दे पर परिषद ने कहा है कि हिजाब के मुद्दे पर उच्च न्यायालय द्वारा लिया गया निर्णय स्वागत योग्य है। साथ ही लावण्या की अकादमिक हत्या मामले में युवाओं के निरंतर उठते स्वर को न्याय देने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में जबरन मतांतरण पर अंकुश लगाने हेतु राज्य सरकारों से मांग की गई है कि अल्पसंख्यक संस्थानों,परिचारिका प्रशिक्षण केंद्रों,शिक्षण संस्थान एवं शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में मतांतरण विरोधी हेल्पलाइन नंबर (एन्टी कन्वर्जन हेल्पलाइन) जारी करे तथा जबरन मतांतरण में लिप्त शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता को रद्द करने का कानून लाये।

जम्मू में आतंकवादियों द्वारा अभिनेत्री अमरीन भट्ट की हत्या,उत्तर प्रदेश में एक महिला को स्वयं के संवैधानिक मताधिकार का उपयोग करने पर प्रताड़ित कर तलाक देने जैसी घटना घटी वही झारखंड में रुपेश, संजू गुजरात में किशन दिल्ली में हीरालाल कर्नाटक में हर्षा तथा तेलंगाना में राजू की सुनियोजित हत्या करना लोकतंत्र को कलंकित करने जैसे कृत्य का प्रत्यक्ष उदाहरण है। पांथिक उन्मादियों द्वारा देश के अंदर राम नवमी व हनुमान जयंती पर आयोजित यात्रा पर योजनापूर्वक हमले करने के षड्यंत्र की यह राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद भर्त्सना करती है।

पश्चिम बंगाल में नदिया जिले के तृणमूल कांग्रेस पंचायत सदस्य के बेटे द्वारा चौदह वर्षीय बालिका का सामुहिक बलात्कार कर हत्या कर देने पर वर्तमान मुख्यमंत्री ममता बर्नजी द्वारा दिया गया बयान तथा जौहर की पावन धरती राजस्थान के विधानसभा में मंत्री द्वारा बलात्कार पर यह कहना कि "राजस्थान दुष्कर्म के मामले में नंबर एक है", "यह मर्दो का प्रदेश है" , इनकी महिला विरोधी कुत्सित मानसिकता को समाज के सामने उजागर करती है। यह राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक इसकी कड़ी निंदा करती है।

युवाओं को निरन्तर आकर्षित कर भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले ऑनलाइन सट्टों पर सरकार को रोक लगानी चाहिये।परिषद ने भ्रष्टाचार करने वाले राजनीतिक संरक्षण प्राप्त पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हुए परिषद ने कहा है कि जंगलों में असमय आग लगने तथा हिमनदों के पिघलने के कारण होने वाली तबाही चिंतनीय है। भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून लाया जाय।

मिजोरम तथा मणिपुर से लगी म्यांमार की सीमा से नशीले पदार्थों तथा अवैध घुसपैठ ने इन राज्यों के युवाओं को तेजी से इसके लपेट में ले रखा है,जिसके कारण एक गम्भीर चुनौती उतपन्न हो गयी अतः इसके रोकथाम हेतु सीमा को अविलंब सुरक्षित किया जाय।

तीसरे प्रस्ताव में छात्र केंद्रित एवं भविष्योन्मुखी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का शीघ्र क्रियान्वयन की मांग की गई है। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप समिति का गठन तथा तकनीकी व चिकित्सा शिक्षा भारतीय भाषाओं में करने पर अभाविप ने कहा कि यह स्वागतयोग्य कदम है। भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खडा करने हेतु वैज्ञानिक दृष्टि से आयी हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन

आवश्यक है। कई राज्य विश्वविद्यालयो में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में कुछ संदेह जैसी स्थितिया दिखाई पड़ती है अतः इस हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा एक निश्चित समय सीमा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के दिशा निर्देश दिए जाएं। अभाविप ने एकल संकाय आधारित शिक्षण संस्थान में चयन आधारित (सीबीसीएस) को लागू करने को गंभीर चुनौती बताई है। परिषद का कहना है कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के पद बड़े पैमाने पर रिक्त है, इसलिए सरकार पहले शिक्षा नीति के अनुरूप पद सृजित कर नियुक्ति करे। नियमित पाठ्यक्रम पर विचार व्यक्ति करते हुए परिषद ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि नियमित पाठ्यक्रम का आधारभूत ढांचा वर्ष 2021 तक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम समिति को तैयार करना था परंतु यह अभी तक नहीं हो पाया अतः इस कार्य में तेजी लाते हुए इसे समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। जिससे विश्वविद्यालय अपना पाठ्यक्रम समय पर बना सके। प्रस्ताव में कहा है कि परिषद का यह सुविचारित मत है कि शोध की गुणवत्ता में सुधार हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वर्णित राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एनआरएफ) एवं भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एसईसीआई) शीघ्र स्थापित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी हेतु शैक्षणिक परिसरों में एनईपी सलाहकार व जागरूकता प्रकोष्ठ ई सहायता केन्द्र बनाने के साथ – साथ हेल्पलाइन नंबर जारी करने की मांग की गई है।

अभाविप ने अपने चौथे प्रस्ताव में स्वावलंबी भारत बनाने के लिए युवाओं को अग्रसर होने की बात कही है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारत से वैश्विक अर्थव्यवस्था के नए मानकों की अपेक्षा संपूर्ण विश्व को है। प्राचीन काल में भारत विश्व की समृद्ध अर्थव्यवस्था रही है। एंगस मेडिसिन द्वारा लिखित 'द वर्ल्ड इकॉनमीः अ मिलेनीयम पर्स्पेक्टिव' में भी उल्लेखित है कि 1700 AD तक में भारत का वैश्विक योगदान जीडीपी 24.4 फीसद एवं अधिकतम 32 फीसद रहा है। भारतीय संस्कृति में धार्मिक संस्थान भी अर्थतंत्र की गतिविधि का केंद्र रहे है। आज भारत को अपने विशाल प्राकृतिक संपदा, मानव शक्ति एवं निहित उद्यमी कौशल का प्रयोग करते हुए कृषि, विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के माध्यम से अत्याधिक कार्यक्षमता व अवसर प्रदान करते हुए अपने अर्थतंत्र को स्वावलंबी बनाने की आवश्यकता है।

वर्तमान परिदृश्य को देखने पर, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है जिसका वृद्धि दर 8.2 फीसद है जो विश्व के बड़े देशों के वृद्धि दर से भी अधिक है। भारत में पीएम गति शक्ति - मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान का निर्माण, रक्षा गलियारा (Defence Corridor) का निर्माण, गेहूं के उत्पादन, नवीनीकरण ऊर्जा स्त्रोत व हरित हाइड्रोजन नीति, विद्युतचालित वाहनो में वृद्धि, प्रत्येक गांव में बिजली का पहुंचना, दुग्ध उत्पादन व फार्मा क्षेत्र यह उसके उदाहरण है। आज केवल सॉफ्टवेयर विकास व आईटी क्षेत्र में भारत की निर्यात 165000 करोड़ पार कर चुकी है जो कि सऊदी अरब के कच्चे तेल के निर्यात से भी अधिक है। असंगठित क्षेत्र के स्वावलंबन के लिए ई श्रम कार्ड योजना के तहत अभी तक 27.6 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किए गए हैं।

सहकारी क्षेत्र की भूमिका कृषि, ग्राम उद्योग, बैंकिंग, वस्त्र उद्योग और आवास में महत्वपूर्ण रही है। भारत सरकार द्वारा सहकार मंत्रालय की स्थापना करना सराहनीय कदम है। साथ ही स्वयं सहायता समूह की भूमिका भारतीय गांव व महिलाओं के बीच में प्रभावपूर्ण रही है। आज 66 लाख से अधिक ऐसे स्वयं सहायता समूह देश में कार्यरत है।

भारत में आयात को कम करते हुए स्वदेशी निर्माण पर जोर देते हुए युवा उद्यमिता ही भारत के स्वावलंबन का विकल्प बन सकता है। इसको आधार मानकर जीडीपी आधारित अर्थव्यवस्था न परिकल्पित करते हुए रोजगार सृजन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

कृषि आधारित उद्योग का निर्माण व विकास भारतीय अर्थतंत्र के लिए अति आवश्यक है। शैक्षणिक संस्थान स्थानीय पारम्परिक ज्ञान, हस्तकलाएँ, लघु उद्योग आदि के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित हो। साथ ही विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक रोजगार निर्माण, उद्यमिता कौशल व नवाचार के लिए नए विकल्प खड़े करे। इसके लिए ऐसे पाठ्यक्रम संरचना, ऊष्मायन केंद्र (Incubation Centre) का निर्माण, औद्योगिक व व्यवहारिक ज्ञान का संसर्ग विद्यार्थीयों को प्राप्त करवाएं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सूचित नवाचार व उद्यमिता के सभी पहलुओं को अपने संस्थान में लागू करे।

कोलकाता : बंगाल एसएससी घोटाले के खिलाफ सड़क पर उतरे अभाविप कार्यकर्ता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बंगाल सरकार पर शिक्षक भर्ती घोटाले करने का आरोप लगाया है। शिक्षक भर्ती धांधली पर उच्च न्यायालय द्वारा सीबीआइ जांच के हालिया आदेश के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बंगाल सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर गई है। अभाविप कार्यकर्ताओं ने 18 मई को सड़क पर उतरकर ममता सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। अभाविप के कार्यकर्ता पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी एवं मौजूदा शिक्षा राज्य मंत्री परेश अधिकारी की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करते हुए कोलकाता के साल्टलेक स्थित शिक्षा विभाग के कार्यालय विकास भवन का घेराव करना चाहते थे लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने बैरिकेड लगातार उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने जब बैरिकेड के समीप जाकर प्रदर्शन करना शुरू किया तो पुलिस ने बर्बरतापूर्वक लाठी चार्ज कर दिया एवं वाटर कैनन का उपयोग किया। इस दौरान कई परिषद कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई है। अभाविप दक्षिण बंग के प्रदेश मंत्री संगीत भट्टाचार्य ने कहा कि मंत्री की बेटी को बिना मेरिट लिस्ट में नाम के ही नौकरी मिल रही है जबकि राज्य के प्रतिभाशाली युवक बेरोजगार घूम रहे हैं। शिक्षा और नौकरी के नाम पर राज्य में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। अभाविप का कहना है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की हालत लचर हो गई है। राज्य में टीएमसी की सरकार बनने के बाद राष्ट्रीय विचार वाले कार्यकर्ताओं पर हमले रुके नहीं हैं। इसके अलावा राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। प्रदेश में लूट, भ्रष्टाचार, बलात्कार, मार-पीट, अत्याचार एवं हत्या की घटनाएं बढ़ी है। चारो तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। कानून व्यवस्था तार-तार हो चुकी है। सरेआम लोगों की हत्या हो जाती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उपरोक्त मामले को लेकर 18 मई को विकास भवन रैली का आह्वान किया। इस आंदोलन में महाविद्यालय इकाई से लेकर विश्वविद्यालय इकाई तक के कार्यकर्ता शामिल थे। संख्या के हिसाब से देखा जाए तो डेढ़ हजार से अधिक कार्यकर्ता आंदोलन में शामिल थे, जबकि इस आंदोलन का स्वरूप मात्र दो सप्ताह पहले रखा गया था।

आंदोलन के बारे में बताते हुए प्रांत मंत्री संगीत भट्टाचार्य ने कहा कि योजना अनुसार हमें अपनी मांगों को प्रतिनियुक्ति के रूप में विकास भवन में शिक्षा मंत्री और महिला विकास मंत्री को ज्ञापन सौपना था परंतु विकास भवन पहुंचने से पूर्व ही निर्मम ममता सरकार की पुलिस द्वारा बल पूर्वक हमारे अभियान को विफल करने की कोशिश प्रारंभ कर दी गई थी। कार्यकर्ताओं की संख्या और उत्साह को देखते हुए बंगाल पुलिस पहले से ही वाटर कैनन तैयार कर लिया गया था तथा हमारे अभियान को रोकने के लिए, हमारे कार्यकर्ताओं के ऊपर वाटर कैनन द्वारा केमिकल युक्त पानी की बौछारें की गई और शांतिपूर्ण तरीके से चल रहे प्रदर्शन पर बर्बरतापूर्वक लाठियां बरसाई गई। उन्होंने कहा कि पुलिसिया कार्रवाई में हमारे कई कार्यकर्ताओं को गंभीर चोटें आई है। चार कार्यकर्ताओं को जबरन गिरफ्तार कर लिया गया। इतना होने के बाद भी जब हमारे हौसले टूटते नहीं दिखे तो मजबूरन पश्चिम बंगाल प्रशासन को झूकना पड़ा और हमारी मांगो को सुनना पड़ा। अभाविप प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री से मिलना चाह रहे थे परंतु शिक्षा मंत्री एवं महिला विकास मंत्री उपस्थित नहीं थे। उनकी अनुपस्थिती में वहां पर मौजूद अधिकारियों को मांग पत्र सौंपा गया। आंदोलन में अभाविप राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री श्रीनिवास, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक, पूर्वी क्षेत्र संगठन मंत्री अपांशु शेखर शील, दक्षिण बंगाल संगठन मंत्री सप्तर्षि सरकार समेत हजारों की संख्या में परिषद कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्री भट्टाचार्य ने बताया कि इससे पहले फरवरी में भी विकास भवन के सामने हमलोगों ने महाविद्यालय – विश्वविद्यालय को खोलने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया था, परिषद के प्रदर्शन के बाद महाविद्यालय – विश्वविद्यालय परिसर को तुरंत खोल दिया गया था।

बता दें कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने नौवीं-दसवीं के बाद 11वीं व 12वीं कक्षाओं के लिए हुईं शिक्षकों की नियुक्ति की भी सीबीआइ जांच का आदेश दिया है। ये सारी नियुक्तियां स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के जरिए हुई थीं। नियुक्ति घोटाले में बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के बाद मौजूदा शिक्षा राज्य मंत्री परेश चंद्र अधिकारी का नाम भी सामने आया है। आरोप है कि मंत्री ने प्रभाव दिखाकर गैरकानूनी तरीके से अपनी पुत्री अंकिता अधिकारी की कूचबिहार के एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका के पद पर नियुक्ति की। अंकिता का नाम मेरिट लिस्ट में नहीं था, इसके बावजूद उनकी नियुक्ति हुई। वहीं, हाई कोर्ट की खंडपीठ ने भी एकल पीठ के उस आदेश को बुधवार को बरकरार रखा, जिसमें अवैध नियुक्तियों की सीबीआइ जांच करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद से राज्य सरकार की मुश्किलें बढ़ी हुई है।

बेग समिति ने ग्रुप-डी और ग्रुप-सी पदों पर नियुक्तियों में पाई थी अनियमितता

पश्चिम बंगाल में स्कूल शिक्षा विभाग में ग्रुप सी और डी की भर्तियों में हुए कथित घोटाले पर रिटायर्ड जस्टिस रंजीत बेग समिति ने रिपोर्ट सौंप दी है। समाचार पत्रों में छपे रिपोर्ट के मुताबिक इसमें पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन के चार पूर्व और वर्तमान अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी पर भी आपराधिक साजिश का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि किस तरह अयोग्य उम्मीदवारों की भर्ती के लिए लंबी चौड़ी साजिश रची गई। इसके आधार पर सीबीआई ने पांच लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज कर ली।

कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित बेग कमीशन ने 12 मई को अपनी रिपोर्ट अदालत को सौंपी थी। अखबार में छपे रिपोर्ट के मुताबिक इस रिपोर्ट में संभवतः पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन के दो पूर्व अध्यक्ष प्रो. सौमित्र सरकार और अशोक कुमार साहा, संस्थान के पूर्व एडवाइजर डॉ. शांति प्रसाद सिन्हा, प्रोग्राम ऑफिसर सौमित्र आचार्य और बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. कल्याणमय गांगुली के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016 में शुरू हुई इस भर्ती प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों का पैनल बनाने, उन्हें पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन की वेबसाइट पर अपलोड करने में पारदर्शिता नहीं बरती गई। पैनल को क्षेत्रीय आयोगों के अध्यक्षों से भी छिपाकर रखा गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन के तत्कालीन सचिव सौमित्र सरकार व साहा और सिन्हा ने 18 मई 2019 को पैनल की समाप्ति से पहले और बाद में ग्रुप सी के पदों पर असफल उम्मीदवारों के नामों की सिफारिश की. इसके लिए ओएमआर शीट के पुनर्मूल्यांकन के लिए दाखिल आरटीआई की आड़ लेकर उम्मीदवारों के अंक बढ़ाए गए। नंबरों में हेराफेरी के बाद आंसर शीट को नष्ट कर दिया गया। इन तीनों ने कथित तौर पर आचार्य और एक अन्य प्रोग्राम ऑफिसर को 14 मई, 18 जून और 20 जून 2019 की डब्ल्यू.बी.एसएससी की नोट शीट में फर्जीवाड़ा करने पर मजबूर किया ताकि पूरी प्रक्रिया को वैध दिखाया जा सके। सरकार और सिन्हा ने भर्ती परीक्षा होने के बाद जारी की गई भर्तियों पर भी असफल उम्मीदवारों की सिफारिश कर दी।

बता दें कि बंगाल में इन भर्तियों में घोटाले को लेकर इन दिनों हंगामा मचा हुआ है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समेत कई संगठन ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी से सीबीआई पूछताछ कर रही है। जब ये कथित अवैध भर्तियां हुई थीं, तब चटर्जी ही शिक्षा मंत्री थे। शिक्षा राज्यमंत्री परेश चंद्र अधिकारी और उनकी बेटी के खिलाफ सीबीआई केस दर्ज कर चुकी है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने परेश चन्द्र अधिकारी की बेटी की सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में बतौर शिक्षक नियुक्ति रद्द कर दी थी और उन्हें 41 महीने की नौकरी के दौरान मिला वेतन लौटाने का निर्देश दिया है।

बेग समिति ने कहा था कि ग्रुप-सी में 381 और ग्रुप-डी में 609 नियुक्तियां अवैध रूप से की गई थीं। इसने राज्य स्कूल सेवा आयोग के चार पूर्व शीर्ष अधिकारियों और पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की सिफारिश की थी।

कोई भी देश अपनी प्रधानता की अनदेखी करने पर अपेक्षित विकास नहीं कर सकता : नरेन्द्र सिंह तोमर

केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है, कोई भी देश अपनी प्रधानता की अनदेखी करने पर अपेक्षित विकास नहीं कर सकता। पूसा परिसर दिल्ली में अभाविप आयाम एग्रीविजन की तरफ से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषि शोधार्थी, कृषि वैज्ञानिक और छात्रों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति तभी होती है जब उसके प्रधान क्षेत्र का महत्व समझकर कार्य किए जाएं।

कृषि मंत्री ने आह्वान किया कि हमारी कृषि व्यवस्था व इसके गौरव के सभी लोग जुड़े रहें और युवा पीढ़ी के मन से कृषि के प्रति हर तरह के नकारात्मक भाव बाहर निकाल दिए जाएं। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान भी कृषि क्षेत्र निरंतर काम करता रहा। किसी भी विपरीत परिस्थिति में सब कुछ थमने पर भी भारतीय कृषि तानकर खड़ी रहेगी। प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि नई तकनीक के साथ सामंजस्य बनाकर हमें पारंपरिक खेती पर ध्यान देना होगा। उन्होंन कहा कि कृषि को प्राकृतिक खेती की ओर डायवर्ट करने की सरकार की कोशिश है ताकि कृषि के साथ ही देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि अभी तक 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र प्राकृतिक खेती के तहत कवर किया गया है।

कृषि क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है हमारा देश : कैलाश चौधरी

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि आज हमारा देश कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण सरकार की नीतियां है। उन्होंने कहा कि वे कृषि क्षेत्र की और तेजी से प्रगति के लिए नई तकनीकों का साथ लें व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में भी योगदान दें। उत्तम खेती, मध्यम व्यापार और आखिरी में नौकरी, युवा साथियों को कृषि से जोड़ने का हमारा विजन है। विद्यार्थी परिषद विश्व का बड़ा छात्र संगठन है। हम सौभाग्यशाली हैं ऐसे संगठन के साथी रहे हैं, जो राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण जैसी विचारधारा रखती है। अभाविप आयाम एग्रीविजन द्वारा 20-21 मई को कृषि अनुसंधान परिसर, पूसा में दो दिवसीय छठा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें सैंकड़ो कृषि छात्र, शोधार्थी एवं कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

कृषि अपार संभावनाओं का क्षेत्र : डॉ. संजीव बाल्यान

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम एग्रीविजन के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय पशुपालन, डेयरी व मत्स्य राज्य मंत्री डॉ संजीव बाल्यान ने कहा कि हमारे देश के कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ऐसी योजनाएं हर रोज ला रही है जिससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिल रहा है और हमारा देश कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। आज हमारा देश कृषि उत्पादों का निर्यात करने में विश्व

के शीर्ष देशों में शामिल है और कृषि उत्पादों के आयात का प्रतिशत कम हुआ है। यह संकेत है कि भारत आने वाले कुछ सालों में कृषि क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर बनने वाला है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का मेरुदंड है कृषि : श्रीनिवास

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अभाविप के राष्ट्रीय सह -संगठन मंत्री श्री श्रीनिवास ने कहा कि कृषि हमेशा से भारतीय अर्थव्यवस्था का मेरूदंड है और इसे मजबूती प्रदान करने का काम एग्रीविजन कर रहा है। आदिकाल में कृषि हमारे अर्थव्यवस्था की नींव रह चुका है। कालांतर में अंग्रेजों के आने के बाद हमारे कृषि क्षेत्र को बहुत क्षति पहुंची है। आधुनिकता के इस दौर में हमें तकनीकी के साथ सामंजस्य बना कर प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देना होगा तथा हमारे नीति निर्धारकों को कृषि केंद्रित नीति बनानी होगी ताकि भारत कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

कृषि क्षेत्र के उत्थान का माध्यम बन चुका है एग्रीविजन का सम्मेलन : प्रफुल्ल आकांत

'भारतीय परंपरागत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत' विषय पर बोलते हुए अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत ने कहा कि मेरा यह मानना है कि नित नए प्रयोगों के साथ चर्चा करते हुए नई गति के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेते हुए एग्रिविजन का यह सम्मेलन, सम्मेलन और कार्यक्रम नहीं रहा बल्कि कृषि शिक्षा के परिवर्तन का, कृषि क्षेत्र के परिवर्तन का, कृषि क्षेत्र के उत्थान का, नए सुरज के उदय का एक माध्यम बन चुका है। मैं सुबह से इस सभागार में बैठे – बैठे सोच रहा था कि जो वक्ता मंच पर आकर बोल रहे हैं उनके मन में कृषि के प्रति स्वाभिमान और सम्मान का भाव जागृत हुआ है, जो देश में बने सकारात्मक वातावरण का द्योतक है। उन्होंने कहा कि एक समय भारत वर्ष में खेती किसानी के प्रति आत्मगौरव के रूप में नहीं बल्कि पिछड़ेपन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। किसान को गरीब - लाचार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। इस दौरान उन्होंने कृषि छात्रों और कृषि विज्ञान, 2015 की सेवा के लिए कृषि की यात्रा पर प्रकाश डाला।

भारत में किसान के लिए खेत सिर्फ एक खेत नहीं बल्कि उनका वर्तमान और भविष्य होता है : निखिल रंजन

समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि व अभाविप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन ने कहा कि कृषि को छात्र से लेकर वैज्ञानिक तक जोड़ने के लिए एग्रीविजन पिछले छः वर्षों से काम कर रहा है, जो बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भारत में एक किसान के लिए खेत सिर्फ एक खेत नहीं बल्कि उनका वर्तमान और भविष्य होता है और वह इसे अपना आजीवन कर्तव्य मानता है। इससे हमारे युवाओं को सीख लेनी चाहिए। हमारा देश पिछले 50 वर्षों से कृषि उत्पादन में सबसे आगे रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रीय कृषि शिक्षा परिषद के गठन का आह्वान किया

एग्रीविजन राष्ट्रीय संयोजक शुभम पटेल ने बताया कि, "दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि क्षेत्र के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मार्गदर्शन मिला। दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 20-21 मई को दिल्ली के पूसा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र के परिसर में किया गया था। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि केंद्रीय पशुपालन, डेयरी व मत्स्य राज्य मंत्री डॉ संजीव बाल्यान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीनिवास थे। समापन सत्र के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कृषि मंत्र नरेन्द्र सिंह तोमर, विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी एवं अभाविप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन थे। दो दिनों तक चले इस सम्मेलन का मुख्य विषय प्राकृतिक कृषि-आधुनिक तकनीकी समन्वय और समावेश था। इस सम्मेलन में कृषि से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें कृषि शिक्षा में गुणवत्ता के संबंध में राष्ट्रीय कृषि शिक्षा परिषद के गठन, पर्याप्त भूमि, प्रयोगशाला, शिक्षकों की मांग और प्रत्येक शोधार्थी को छात्रवृत्ति प्रदान करने की मांग शामिल थी। सम्मेलन में एग्रीविजन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति गण समेत देश भर से 350 से अधिक कृषि शोधार्थी व कृषि वैज्ञानिक उपस्थित हुए।

ABVP launches free classes by scholars for DU entrance aspirants

Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) has invited students dreaming of getting into the Delhi University to register for its 'free-of-cost' crash course scheduled for July.

Under this crash course, the students preparing for 17 different post-graduate exams under the Delhi University's Entrance Test (DUET) will be assisted by research scholars and subject experts from DU and even JNU. Coaching on Political Science, Geography, History, English, Hindi, Sanskrit, Economics, Sociology, Psychology, Social Work, BEd, MCom, Chemistry, Environmental Studies, OR+Maths, Physics and Botany subjects will be offered.

The first stage of the programme will provide students with online classes, notes, online reference materials, past year question papers, pre-recorded video lessons, test series, and other media for preparations. Ayush Nandan shared that ABVP had organised similar crash courses for JNU Entrance Examinations (JNUEE) as well, extending preparation related assistance to over 2,000 students.

'प्रतिभा संगम' के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को निखार रही है अभाविप : संगीता बर्वे

राष्ट्रीय कला मंच द्वारा पुणे में 17-18 मई 2022 को दो दिवसीय 'प्रतिभा संगम' साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, वैचारिक निबंध आदि प्रस्तुत किए। बैठक के दूसरे दिन पहले सत्र में चुनिंदा कहानियां प्रस्तुत की गईं। बता दें कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को स्थान देने एवं उसे निखारने के उद्देश्य से हर साल साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। पिछले 18 सालों में अब तक अमलनेर, रत्नागिरी, सांगली, जलगांव, सोलापुर, मुंबई, गोवा, परभणी समेत विभिन्न जगहों पर ये सम्मेलन होते रहे हैं।

राज्य स्तरीय साहित्य सम्मेलन 'प्रतिभा संगम' यह 19 वां वर्ष है। इस प्रतिभा संगम का आयोजन पुणे में किया गया था। प्रतिभा संगम का उद्घाटन सुप्रसिद्ध मराठी कवयित्री, गीतकार एवं बाल साहित्यकार संगीता बर्वे, अभाविप राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, देवगिरी प्रांत अध्यक्ष प्रा. सारंग जोशी, पश्चिम महाराष्ट्र के मंत्री अनिल थोम्ब्रे व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

प्रतिभा संगम के मुख्य अतिथि संगीता बर्वे ने कहा कि शिक्षा चाहरदीवारी तक सीमित नहीं होता है। अभाविप के बारे में अपनी राय व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि अभाविप एक नॉन – फिक्शन स्कूल है और प्रतिभा संगम के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा एवं कलाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस दौरान उन्होंने स्व-लिखित कविताओं को भी सुनाया। उनकी कविताओं को सुनकर उपस्थित श्रोता विद्यार्थी मंत्र मुग्ध हो गये। अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्र एवं लेखकों की भूमिका पर अपनी राय व्यक्त की एवं कला के क्षेत्र अभाविप कार्य को और अधिक विस्तार करने की बात कही।

पर्यावरण दिवस की झलकियां

RNI NO.: DELBIL/2017/73636
DATE OF POSTING: 10-11 JUNE, 2022
DATE OF PUBLISHING: 8 JUNE, 2022

POSTAL REGD. NO.: DL(C)-11/1409/2020-2022
POST OFFICE: NDGPO, NEW DELHI

बंगाल एसएससी घोटाले के खिलाफ अभाविप विरोध प्रदर्शन की झलकियां